Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 361
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 05 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

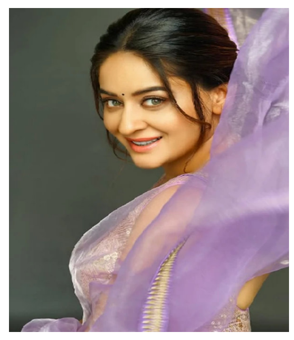

3 संत परंपरा ने भारत की संस्कृति को वैश्विक ... | 4 मुंबई मनपा की निर्णायक लड़ाई: नेतृत्व, ... | 7 एशेज सिडनी टेस्ट : जो रूट की शानदार...

संक्षिप्त न्यूज

सागर द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ेगा ये नया पुल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रखेंगी आधारशिला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को मुरीगंगा नदी पर बनने वाले पुल की आधारशिला रखेंगी। यह पुल सागर द्वीप को मुख्य भूमि से जोड़ेगा, जहां हर साल प्रसिद्ध गंगासागर मेला आयोजित होता है। इसको लेकर एक अधिकारी ने जानकारी दी कि 2,500 करोड़ रुपये की लागत वाले इस पुल के निर्माण का कार्य एक निजी कंपनी को सौंपा गया है। इसके दो साल में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। इस पुल के बनने से यहां स्थित कपिल मुनि मंदिर की तीर्थयात्रा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

मेले की तैयारियों का लेंगी जायजा

यह मंदिर, जहां गंगासागर मेला लगता है, गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर सागर द्वीप में स्थित है। मुख्यमंत्री लंबे समय से मांग कर रही हैं कि इस वार्षिक मेले को केंद्र सरकार 'राष्ट्रीय मेला' घोषित करे, क्योंकि इसमें देश भर और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों से लाखों श्रद्धालु आते हैं। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री कपिल मुनि मंदिर और भारत सेवाश्रम संघ का दौरा भी कर सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मकर संक्रांति के अवसर पर होने वाले मेले की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगी।

अभी से आने लगे हैं तीर्थयात्री

बता दें कि तीर्थयात्री संगम पर स्नान के बाद कपिल मुनि मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। मकर संक्रांति पर होने वाली भारी भीड़ से बचने के लिए कई तीर्थयात्रियों ने पहले ही मंदिर में दर्शन और संगम पर पवित्र स्नान शुरू कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने मेले के सफल संचालन के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यह पश्चिम बंगाल में इस तरह का सबसे बड़ा आयोजन है।

वेनेजुएला पर यूएस एक्शन के पर बवाल

राष्ट्रपति मादुरो की गिरफ्तारी पर भारत ने कहा- शांति से सुलझाएं मसला

नई दिल्ली। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर वहां के ताजा हालातों पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह वेनेजुएला में तेजी से बदलती स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'भारत वेनेजुएला के लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए अपने समर्थन की पुष्टि करता है। हम सभी संबंधित पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।'

भारतीय नागरिकों के लिए सख्त चेतावनी

बढ़ते तनाव को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने शनिवार को ही एक ट्रैवल एडवायजरी जारी की थी। इसमें भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे वेनेजुएला की सभी 'गैर-जरूरी यात्रा' से बचें। जो भारतीय वर्तमान में वहां मौजूद हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने और अपनी आवाजाही सीमित रखने को कहा गया है।

यह कूटनीतिक हलचल तब शुरू हुई जब शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी सेना ने काराकास में एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाया। 'नारको-टेररिज्म' पर कार्रवाई के नाम पर किए गए इस हमले में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाया गया है। ट्रंप ने एलान किया है कि सत्ता के सुरक्षित हस्तांतरण तक वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका के नियंत्रण में रहेगा। भारत के लिए वेनेजुएला सामरिक और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, इसलिए नई दिल्ली के इस बयान को वैश्विक राजनीति में अहम माना जा रहा है।

'जिसकी लाठी उसकी भैंस', मादुरो की गिरफ्तारी पर शशि थरूर ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ राजनयिक शशि थरूर ने वैश्विक राजनीति की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर को बीते कुछ वर्षों से लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है और आज दुनिया में 'ताकत ही सही' का सिद्धांत हावी होता जा रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में शशि थरूर ने लिखा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और यूएन चार्टर को अब केवल कागजों तक सीमित कर दिया गया है। उनके मुताबिक, मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में कानून के बजाय ताकत का बोलबाला दिखाई देता है। थरूर ने इशारों-इशारों में कहा कि आज की दुनिया में 'जंगल का कानून' चल रहा है, जहां शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए नियमों को तोड़ने से नहीं हिचकते। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय

व्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत बताया। थरूर ने यह टिप्पणी लेखक कपिल कोमिरेड्डी की पोस्ट के जवाब में की, जिसमें अमेरिका की कार्रवाई को लेकर दोहरे मानदंडों की बात कही गई थी।

दरअसल, शनिवार को अमेरिका ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करते हुए वेनेजुएला पर बमबारी की और लंबे समय से सत्ता में रहे वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को सत्ता से हटा दिया। इसके बाद मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन पर ड्रग्स और हथियारों से जुड़े मामलों में मुकदमे चलाए जाने हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निकोलस मादुरो पर अमेरिका ने 50 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मादुरो की हथकड़ी और आंखों पर पट्टी वाली तस्वीर साझा करते हुए दावा किया कि उन्होंने इस पूरे ऑपरेशन को फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट में टीवी शो की तरह लाइव देखा। वहीं, वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने इसे देश के लिए आजादी का क्षण बताया। उन्होंने 2024 के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार को तुरंत राष्ट्रपति पद संभालने की मांग की। हालांकि, ट्रंप ने मचाडो को लेकर कहा कि उन्हें वेनेजुएला में पर्याप्त समर्थन और सम्मान हासिल नहीं है।

लव जिहाद पर मोहन भागवत का बड़ा बयान

परिवार से होनी चाहिए इसे रोकने की शुरुआत

भोपाल **(एजेंसी)**। एमपी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि लव जिहाद पर रोकथाम की शुरुआत परिवार और घरों से होनी चाहिए। भगवत ने कहा, 'हमें यह विचार करना चाहिए कि हमारी बेटी किसी अजनबी के बहकावे में कैसे आ सकती है।' उन्होंने तर्क दिया कि परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल की कमी और संवाद का अभाव इस समस्या का कारण है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'जब परिवार के भीतर नियमित संवाद होता है, तो धर्म, संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होता है।' इतना ही नहीं उन्होंने लव जिहाद रोकने के लिए तीन कदम भी सुझाए हैं। इसमें पहला तो परिवार के अंदर निरंतर संवाद, दूसरा लड़कियों में सावधानी और आत्मरक्षा की भावना पैदा करना और तीसरा ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई।

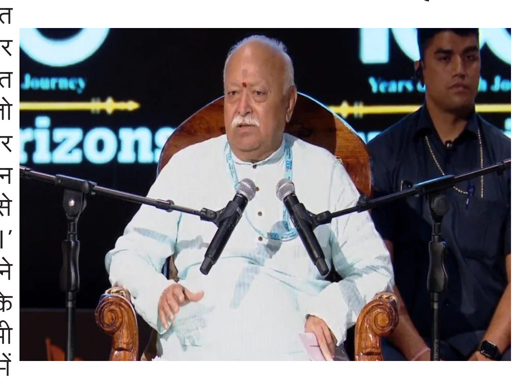

भागवत ने यह भी कहा कि सामाजिक संगठनों को ऐसी गतिविधियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मोहन भगवत ने कहा कि जब समाज सभ्य होने की बात करता है, तो महिलाओं की भूमिका केंद्रीय कारक बन जाती है। उन्होंने कहा, 'हमारा धर्म, हमारी संस्कृति और हमारी सामाजिक व्यवस्था केवल महिलाओं की वजह से ही सुरक्षित हैं।'

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने आगे कहा, 'वह समय बीत चुका है जब महिलाओं को केवल सुरक्षा कारणों से घर तक सीमित रखा जाता था। आज पुरुष और महिलाएं दोनों मिलकर परिवार और समाज को आगे बढ़ाते हैं, इसलिए दोनों का ज्ञानवर्धन आवश्यक है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं, लेकिन इसे और मजबूत करने की जरूरत है।'

लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न पर बोलते हुए भगवत ने कहा कि वेस्टर्न सोसायटी में शादी के बाद ही स्त्री का दर्जा तय होता है, जबकि भारतीय परंपरा में मातृत्व से स्त्री का दर्जा ऊंचा होता है। भगवत ने तर्क दिया, 'मातृत्व हमारे मूल्यों का मूल है।' उन्होंने कहा कि आधुनिकता के नाम पर थोपा गया पश्चिमीकरण एक अंधाधुंध दौड़ है। इसलिए, बचपन से ही बच्चों को जो मूल्य सिखाए जा रहे हैं, उन पर गंभीरता से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भागवत ने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर देख रही है और भारत इस भूमिका के लिए खुद को तैयार कर रहा है। देश की लगभग 50इ आबादी महिलाएं हैं और बड़ी संख्या में महिलाएं समाज और राष्ट्र के लिए काम कर रही हैं। हालांकि, भागवत ने कहा कि अभी भी कई महिलाएं इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं।

पोंगल से पहले सीएम स्टालिन की बड़ी सौगात, राशन कार्ड धारकों को 3000 नकद; उपहार सेट का भी एलान

चेन्नई। पोंगल पर्व से पहले तमिलनाडु सरकार ने राज्य के लाखों परिवारों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चावल राशन कार्ड धारकों को 3,000 रुपये की नकद सहायता देने की घोषणा की है। यह लाभ श्रीलंकाई तमिल पुनर्वास शिविरों में रहने वाले परिवारों को भी मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि लोग पारंपरिक तमिल फसल उत्सव पोंगल को पूरे उल्लास और सम्मान के साथ मना सकें।

विज्ञप्ति में बताया गया कि पोंगल तमिल संस्कृति का गौरवशाली पर्व है, जिसे सदियों से तमिल समाज सूर्य, प्रकृति, पशुधन और किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए मनाता आ रहा है। इस अवसर को खास बनाने के लिए सरकार सभी पात्र परिवारों को पोंगल उपहार सेट भी देगी।

पोंगल उपहार सेट में क्या मिलेगा?

पोंगल उपहार सेट के तहत राज्य सरकार चावल परिवार कार्ड धारकों और श्रीलंकाई तमिल पुनर्वास शिविरों में रहने वाले परिवारों को 1 किलो भूरा चावल, 1 किलो चीनी और एक पूरा गन्ना उपहार स्वरूप देगी। इस योजना से कुल 2 करोड़ 22 लाख 91 हजार 710 परिवारों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा, पोंगल पर्व के अवसर पर वितरित की जाने वाली धोती और साड़ियां राज्य के सभी जिलों में पहले ही भेजी जा चुकी हैं, ताकि त्योहार से पहले लाभार्थियों तक ये सामग्री पहुंचाई जा सके।

सरकार पर कितना खर्च आएगा?

पोंगल उपहार सेट और 3,000 रुपये की नकद सहायता पर कुल 6,936 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पोंगल पर्व से पहले सभी उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से नकद सहायता, उपहार सेट और वस्त्र समय पर वितरित किए जाएं।

गरीब और मध्यम वर्ग को राहत

राज्य सरकार का मानना है कि यह पहल महंगाई के दौर में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को आर्थिक सहारा देगी और वे बिना किसी चिंता के पोंगल का त्योहार मना सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार तमिलनाडु के हर परिवार के साथ खड़ी है और उनकी खुशियों में सहभागी बनना चाहती है।

सीएम माझी ने अमा बस द्वारा बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताई

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य द्वारा संचालित अमा बस के कारण होने वाली लगातार दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे चालकों को कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण मुहैया कराएं और उनमें संवेदनशीलता विकसित करें।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार को यहां अमा बस के कारण हुई दुर्घटना में एक ऑटो रिक्शा चालक की मौत के एक दिन बाद जारी किया है। पुलिस ने बताया कि दो यात्रियों को लेकर जा रहा ऑटो-रिक्शा व्यस्त रूपाली चौक पर लाल बत्ती के कारण रुककर इंतजार कर रहा था, तभी अमा बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा समेत दो यात्री घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया, एक यात्री का कैपिटल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि दूसरे घायल को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुए बस चालक को गिरफ्तार कर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

माझी ने जाजपुर जिले के 62 वर्षीय बिष्णु पात्रा नामक ऑटो रिक्शा चालक की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घायल छात्रा नमिता प्रधान (21) के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने परिवहन विभाग को राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) के समन्वय से इस समस्या को सुधारने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है, जो शहर की बसों का संचालन करता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अमा बस चालकों के कौशल विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण का निर्देश दिया है, जिसमें उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है।

विशेष रूप से उन्होंने चालकों में संवेदनशीलता विकसित करने के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को नियमित अंतराल पर बसों कीजांच करने के लिए एक विशेष दल गठित करने का भी निर्देश दिया है।

उन्होंने परिवहन विभाग को स्थिति की नियमित समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के प्रयास करने की सलाह दी कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं दोबारा न हों।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा शनिवार देर रात किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानी-धोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है।

गहलोत ने कहा, 'यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है। उन्होंने इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की।

तृणमूल सरकार की उन्नयनेर पांचाली के मुकाबले में भाजपा का चोरदेर पांचाली अभियान : शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस सरकार के कथित गलत कामों से लोगों को अवगत कराने के लिए पूर्व मेदिनीपुर ज़िले में 'चोरदेर पंचाली' नामक झांकियां निकालेगी।

अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया गया उन्नयनेर पांचाली (विकास की गाथा) अभियान, नरेन्द्र मोदी नीत सरकार और राज्य में विपक्षी दलों के बारे में झूठ फैला रहा है।

उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली के दौरान पत्रकारों से कहा, ''भले ही लोग अब तृणमूल कांग्रेस के धोखे को समझ चुके हैं, फिर भी भाजपा को इस अभियान का मुकाबला करना होगा और लोगों को सच्चाई दिखानी होगी। कल से हम नंदीग्राम समेत पूर्व मेदिनीपुर में चोरदेर पांचाली (चोरी की कहानियां) की झांकियां निकालेंगे।

रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी

ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम के हिंदू सत्ताधारी पार्टी द्वारा संरक्षित जिहादी तत्वों के भय में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, जब हिंदू एकजुट नहीं होते तो क्या होता है, यह सीमा पार बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। एक समय बांग्लादेश की जनसंख्या में हिंदुओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत थी, लेकिन अब यह घटकर 7 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अगर नंदीग्राम के हिंदू एकजुट नहीं होते हैं, तो अत्याचार और बढ़ेंगे।

तृणमूल के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी सत्ता में आने के लिए ध्रुवीकरण का खतरनाक दांव खेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, बंगाल के लोग भाजपा की चाल में नहीं फंसेंगे, जो बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं का हवाला देकर यहां सांप्रदायिक कलह के बीज बो रही है। पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और तृणमूल कांग्रेस की नजर लगातार चौथी बार सत्ता में आने पर है।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने अपनी नीतियों के केंद्र में युवाओं को रखा हैः नायब सिंह सैनी

चड़ीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने युवाओं को लगातार अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है और उनके इर्द-गिर्द केंद्रित कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने पंचकुला में 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने वाले राज्य प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम में दावा किया कि बीते एक दशक में केंद्र और राज्य सरकारों ने वे काम पूरे कर दिखाए हैं, जो पिछली सरकारें कई दशकों में भी नहीं कर सकीं।

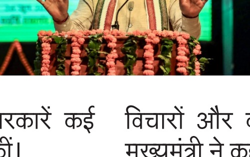

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के 64 युवा प्रतिभागियों से बातचीत की। यह प्रतिनिधिमंडल नौ से 12 जनवरी तक नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगा और समूह नृत्य, वाद-विवाद, चित्रकला, युवा नेताओं के संवाद, सामाजिक कार्यों के लिए हैकिंग और विकसित भारत के लिए डिजाइन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेगा।

सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाया जाता है, जो न केवल उम्र में बल्कि अपने विचारों और कार्यों में भी युवा थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा हमेशा से ही मेहनती, अनुशासित और देशभक्त रहे हैं, यही कारण है कि वे आज सशस्त्र बलों, खेल, शिक्षा, कृषि और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

20 साल बाद साथ आए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए जारी किया घोषणापत्र

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राजनीति में दो दशक की कड़वाहट के बाद एक साथ आए उद्धव ठाकरे (शिवसेना यूबीटी) और राज ठाकरे (एमएनएस) ने शनिवार को मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इसे 'वचन नामा' नाम दिया गया है। 15 जनवरी को होने वाले चुनावों के लिए दोनों भाइयों ने अपने गठबंधन को 'मराठी मानुष' और मुंबई की रक्षा के लिए एक 'शिव-शक्ति' के रूप में पेश किया है।

घोषणापत्र के मुख्य वादे

स्वाभिमान निधिः घरेलू काम करने वाली महिलाओं और कोली (मछुआरा) महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी।

सस्ता भोजनः मीनाताई ठाकरे के नाम पर 'मां साहेब' रसोई शुरू की जाएगी, जहां सिर्फ 10 रुपये में नाश्ता और दोपहर का खाना मिलेगा।

प्रॉपर्टी टैक्स में छूटः 700 वर्ग फुट तक के घरों का संपत्ति कर माफ करने का प्रस्ताव है।

सस्ता सफरः बेस्ट बसों का न्यूनतम किराया 10 रुपये से घटाकर 5 रुपये किया जाएगा और नए रूट शुरू होंगे।

शिक्षाः बीएमसी के स्कूलों (मुंबई पब्लिक स्कूल) में अब नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई हो सकेगी।

गिग वर्कर्स की मददः डिलीवरी और अन्य काम करने वाले 'गिग वर्कर्स' को ई-बाइक खरीदने के लिए 25,000 रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाएगा।

पार्किंगः पुनर्विकसित इमारतों में हर फ्लैट के लिए एक पार्किंग स्लॉट अनिवार्य किया जाएगा।

बीजेपी पर बोला हमला

घोषणापत्र जारी करते हुए उद्धव और राज ठाकरे ने बीजेपी पर कड़ा प्रहार किया। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि राज्य में लोकतंत्र खत्म हो गया है और अब 'वोट चोरी' के बाद 'उम्मीदवारों की चोरी' की जा रही है। उन्होंने मांग की कि जहां भी उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, वहां दोबारा चुनाव हों और अधिकारियों के कॉल रिकॉर्ड की जांच की जाए। वहीं, राज ठाकरे ने बीजेपी और शिंदे गुट वाली शिवसेना पर निशाना साधते हुए कहा कि वे महाराष्ट्र को 'यूपी-बिहार' बनाना चाहते हैं, जो राज्य के भविष्य के लिए खतरनाक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई का अगला मेयर निश्चित रूप से एक 'मराठी' ही होगा।

क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती महापारेषण में उत्साहपूर्वक मनाई गई

मुंबई : महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर महापारेषण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत महापारेषण की प्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती भारती कांबळे द्वारा सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता श्री अनिल गायकवाड़, उप-प्रबंधक (मानव संसाधन) तथा कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) की विशेष कार्य अधिकारी श्रीमती अश्विनी तेरकर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती भारती कांबळे एवं श्रीमती अश्विनी तेरकर ने अपने संबोधन में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के जीवन, उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों तथा महिला सशक्तिकरण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती भारती कांबळे ने किया।

यदि आप चाहें तो मैं इसे और अधिक प्रभावशाली हेडलाइन, संक्षिप्त न्यूज़ ब्रीफ, या सरकारी प्रेस रिलीज़ फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता हूँ।

संजय निरुपम ने बता दिया कौन बनेगा मुंबई का मेयर? बोले- 'मराठी और हिंदू...'

दिव्यांश

मुंबई।शिवसेना नेता संजय निरुपम ने मुंबई नगर निगम चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि मुंबई का अगला महापौर महायुति का होगा और इसका फैसला मराठी बोलने वाले लोग करेंगे. यह निश्चित रूप से मराठी और हिंदू ही होगा, इस पर कोई मतभेद नहीं है.

संजय निरुपम ने कहा कि आगामी बीएमसी में महायुति की जीत तय है और इसका फैसला मराठी भाषी जनता करेगी. उन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बीएमसी के 25 साल के कार्यकाल को विफल बताते हुए उन पर तीखा हमला बोला.

'25 साल तक उद्धव ठाकरे ने कुछ नहीं किया'

इसके अलावा शिवसेना नेता संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्?होंने करीब 25 वर्षों तक मुंबई महानगरपालिका पर शासन किया, लेकिन इस लंबे कार्यकाल में भी शहर का समग्र विकास नहीं हो सका. उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में मुंबई को न तो साफ पीने का पानी मिला और न ही पर्याप्त जल आपूर्ति की व्यवस्था की गई. सड़कों की हालत बदतर रही, अस्पतालों का संचालन ठीक से नहीं हुआ और स्कूलों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं रही.

'आज भी गंदगी से जूझ रही मुंबई'

निरुपम ने कहा कि साफ-सफाई के नाम पर मुंबई आज भी गंदगी से जूझ रही है. संजय निरुपम ने आरोप लगाया कि जब 25 साल के शासन में शहर की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सका, ऐसे में अब उनके द्वारा किए जा रहे वादे सिर्फ चुनावी जुमले हैं जिनसे जनता को किसी वास्तविक बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए.

अमेरिका-वेनेजुएला के मुद्दे पर क्या कहा?

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय निरुपम ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमले को लेकर भी कड़ी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अब तक खुद को दुनिया में युद्ध रोकने वाला नेता बताते रहे हैं. उन्होंने भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन और थाईलैंड-कंबोडिया के बीच युद्ध रोकने के दावे किए और खुद को वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने वाला नेता बताने की कोशिश की. ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार की दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान घटनाक्रम उनके दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

वर्ष 2025 में आईओसीएल पकनी साइडिंग पर 243 रेल रेकों की पेट्रोलियम उत्पाद लोडिंग से 34 करोड़ 71 लाख रुपये का सशक्त मालभाड़ा राजस्व

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सोलापुर मंडल, मध्य रेल ने वर्ष 2025 के दौरान सोलापुर ज़िले की आईओसीएल पकनी साइडिंग पर पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग में उल्लेखनीय, निरंतर और ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए मालभाड़ा परिचालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है।

वर्ष 2025 में माल लोडिंग का प्रदर्शन

आईओसीएल पकनी साइडिंग पर पेट्रोलियम, तेल एवं स्नेहक पदार्थों की पहली रेल रेक लोडिंग 28 जनवरी 2025 को की गई थी। यह पहल भारतीय रेल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि सिद्ध हुई। संचालन प्रारंभ होने के बाद पूरे वर्ष के दौरान लोडिंग का प्रदर्शन अत्यंत उत्साहजनक और सशक्त रहा।

दिसंबर 2025 तक कुल 243 रेल रेकों की सफलतापूर्वक लोडिंग की गई, जिससे सोलापुर मंडल को 34 करोड़ 71 लाख रुपये का मालभाड़ा राजस्व प्राप्त हुआ।

प्रमुख गंतव्य

पकनी साइडिंग से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति निम्नलिखित प्रमुख गंतव्यों तक की गई–

महाराष्ट्र राज्य के मिरज,
कर्नाटक राज्य के कलबुर्गी ज़िले के हिरेनंदुरु,
कर्नाटक राज्य के हुब्बली,
तेलंगाना राज्य के सिकंदराबाद।

यह उपलब्धि बहु-राज्यीय संपर्क व्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को भी दर्शाती है।

हैंडल किए जाने वाले पेट्रोलियम उत्पाद

पकनी साइडिंग पर विभिन्न प्रकार के पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन किया जा रहा है, जिनमें–

उच्च गति डीज़ल,
मोटर स्पिरिट,
उत्तम केरोसीन तेल,
एथेनॉल,
जैव डीज़ल
शामिल हैं।

यह विविध उत्पाद मिश्रण रेल परिवहन के माध्यम से पारंपरिक एवं वैकल्पिक ईंधनों के सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देता है।

पकनी साइडिंग का रणनीतिक रूपांतरण

आईओसीएल पकनी साइडिंग अब एक रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में उभर कर सामने आई है। यह–

महाराष्ट्र राज्य की पहली इंडियन ऑयल रेक लोडिंग सुविधा है,

देश में इंडियन ऑयल की नौवीं विशेष विपणन रेक लोडिंग लोकेशन है, तथा रिफाइनरियों सहित देश की कुल अठारहवीं लोकेशन है।

वर्ष 1996 में अधिसूचित यह साइडिंग पहले सीमित मात्रा में आने वाले पेट्रोलियम ट्रैफिक का संचालन करती थी। वर्ष 2025 में बाहरी दिशा में लोडिंग प्रारंभ होने के बाद अब यह बड़े पैमाने पर पेट्रोलियम ट्रैफिक का संचालन कर रही है, जिससे यह क्षेत्र का एक प्रमुख मालभाड़ा केंद्र बन गई है।

पाइपलाइन और रेल परिवहन का सशक्त समन्वय

इस महत्वपूर्ण पहल को वडोदरा स्थित कोयाली से सोलापुर स्थित पकनी तक बिछाई गई 747 किलोमीटर लंबी समर्पित पाइपलाइन का मजबूत समर्थन प्राप्त है। कोयाली रिफाइनरी से पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन के माध्यम से पकनी डिपो तक निर्बाध रूप से पहुँचते हैं और वहाँ से रेल रेकों द्वारा निकटवर्ती डिपो एवं उपभोग केंद्रों तक सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय ढंग से वितरित किए जाते हैं।

आईओसीएल पकनी साइडिंग पर पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग में प्राप्त यह सशक्त सफलता भारतीय रेल और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रभावी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। सोलापुर मंडल, मध्य रेल मालभाड़ा क्षमता बढ़ाने, राजस्व को सुदृढ़ करने तथा महाराष्ट्र, पड़ोसी राज्यों और देश की समग्र आर्थिक प्रगति में निरंतर योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सायन पनवेल हाईवे पर डीप क्लीनिंग अभियान - शहर के अंदरूनी इलाकों में भी मुख्य सड़कों की गहरी सफाई

दिव्यांश

मुंबई।नवी मुंबई की मुख्य सड़कों की तरह, अंदरूनी इलाकों में भी पूरी तरह से सफाई अभियान चलाया जा रहा है, और हवा की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए हर दिन लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत, रविवार को शहर के मुख्य ट्रैफिक रूट, वाशी से बेलापुर तक की सफाई की गई। इसमें, सड़कों और फुटपाथों पर जमा मिट्टी को मुख्य रूप से ब्रश से खुरचकर इकट्ठा किया गया और हटाया गया, और सड़कों को ट्रीटेड पानी से धोया गया। इसके लिए जेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल किया गया।

सायन पनवेल हाईवे के साथ-साथ शहर के अंदर की मुख्य सड़कें जैसे सेक्टर 17 कोपरखैरने मेन रोड, रिलायबल टेक पार्क ऐरोली, गजानन चौक से शापूरजी पालोनजी साइट सेक्टर 6 सानपाड़ा, जुहूगांव मेन रोड, शिरवणेगांव इंटरनल मेन रोड, जीजामाता नगर घणसोली की भी अच्छी तरह से सफाई की गई।

हवा में धूल की मात्रा को कम करने के लिए सड़कों पर और उसके आसपास की मिट्टी को साफ करने का यह गहन सफाई अभियान नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में लगातार और नियमित रूप से चलाया जा रहा है। इसके साथ ही, ग्रींझ गाड़ियों के ज़रिए फव्वारे की तरह हवा में ट्रीटेड पानी का छिड़काव करके हवा में धूल की मात्रा को कम करने पर ज़ोर दिया जा रहा है।

इसी के तहत, रविवार, जो कि सार्वजनिक छुट्टी का दिन था, को भी यह गहन सफाई अभियान सायन पनवेल हाईवे पर वाशी से बेलापुर तक के साथ-साथ अंदरूनी मुख्य सड़कों पर अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार के मार्गदर्शन में, ठोस कचरा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे के नियंत्रण में, मुख्य स्वच्छता अधिकारी रवींद्र इंगले और स्वच्छता अधिकारियों के माध्यम से चलाया गया। इसमें अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों सहित 350 से ज़्यादा लोगों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र मतदान की सुविधा

सभी आठ रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों में विशेष डाक मतपत्र सहायता कक्ष स्थापित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए बड़ी संख्या में शासकीय एवं अर्धशासकीय कर्मचारी कार्यरत रहते हैं। चुनाव ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों का मताधिकार प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार तथा नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में डाक मतपत्र द्वारा मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

नवी मुंबई महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के लिए सिडको, अन्य शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों, निजी विद्यालयों तथा रायगढ़ ज़िले की स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर चुनाव कार्य में नियुक्त किया गया है। ऐसे सभी कर्मचारी, जो नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के मतदाता हैं और जिन्हें चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त किया गया है, उनके लिए नवी मुंबई महानगरपालिका के सभी आठ रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों में विशेष डाक मतपत्र सहायता कक्ष स्थापित किए गए हैं। यह जानकारी इस विषय की नोडल अधिकारी एवं उप आयुक्त स्मिता काले ने दी।

इसके लिए नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता अधिकारी एवं कर्मचारी अपने नाम और क्रमांक की पुष्टि अंतिम मतदाता सूची में कर लें। इसके पश्चात वे दिनांक 8 जनवरी 2026 को जिस वार्ड में वे मतदाता हैं, उस वार्ड के निर्वाचन अधिकारी को प्रपत्र पीबी-एक में सूचना अथवा आवेदन प्रस्तुत कर डाक मतपत्र की मांग कर सकते हैं। आवेदन के साथ चुनाव ड्यूटी पर नियुक्ति आदेश की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

इसके बाद संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा आवेदक को डाक मतपत्र प्रदान किया जाएगा। आवेदक को प्रपत्र पीबी-सात में दी गई सभी सूचनाओं को ध्यानपूर्वक पढ़कर डाक मतपत्र पर अपना मत दर्ज करना होगा। तत्पश्चात निर्धारित नियमों के अनुसार मतपत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों को बंद लिफाफे में संबंधित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा।

डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान में मतदाताओं की सहायता के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका के सभी आठ रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों में विशेष डाक मतपत्र सहायता कक्ष स्थापित किए गए हैं। दिनांक 8, 9, 10, 11 एवं 12 जनवरी 2026 को कार्यालयीन समय में उपस्थित रहने वाले आवेदकों को यहाँ डाक मतपत्र मतदान संबंधी संपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, नवी मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय स्तर पर एक विशेष डाक मतपत्र सहायता दूरभाष सेवा भी शुरू की गई है। इस संबंध में जानकारी अथवा समस्या के समाधान हेतु कार्यालयीन समय में दूरभाष क्रमांक 9819452487 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही संपर्क के लिए ई-मेल पता nmmcpostalballot@gmail.com भी उपलब्ध कराया गया है।

इस विषय में सभी महानगरपालिकाओं के बीच समन्वय और एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने राज्य की सभी महानगरपालिकाओं के आयुक्तों को पत्र लिखकर यह सूचना संबंधित कार्यालयों में कार्यरत उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों तक पहुँचाने के निर्देश दिए हैं, जो नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के मतदाता हैं और चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त हैं। इसी प्रकार का पत्र नवी मुंबई पुलिस आयुक्त को भी प्रेषित किया गया है।

चुनाव प्रक्रिया में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने लोकतांत्रिक मताधिकार का उपयोग करने में सुविधा हो, इसके लिए नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं नियमों के अनुसार डाक मतपत्र मतदान की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। नवी मुंबई महानगरपालिका ने चुनाव ड्यूटी पर कार्यरत सभी कर्मचारियों से अपील की है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

पश्चिम रेलवे

सिग्नलिंग कार्य

सीनियर डीएसटीई/नॉर्थ/मुंबई सेंट्रल, दूसरी मंज़िल, डिविज़नल रेलवे मैनेजर का कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400008, ई-टेंडर नोटिस नंबरः SG _216_2_114 137_WA, दिनांकः 01.01.2026 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थानः** मुंबई डिवीज़न के चर्चगेट पालधी सेक्शन में एमएसडीएसी उपकरणों के पुनर्वास के साथ-साथ एसएसई/वलसाड और एसएसई/सूरत के अधिकार क्षेत्र में विश्वसनीयता सुधार और खराब/ज़्यादा पुराने सिग्नलिंग गियर को बदलने के काम के संबंध में सिग्नलिंग आइटम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागतः** 5,45,39,802.16. **ईएमडीः** 4,22,700/-. **ई-टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 05.02.2026 15:00 बजे तक। **ई-टेंडर खोलने की तिथि और समयः** 05.02.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in hej जाएं। 0972

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

महाराष्ट्र के कई जिलों को ठंड से मिलेगी मामूली राहत, बढ़ेगा तापमान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में नए साल के पहले ही हफ्ते मौसम में बदलाव देखा गया. राज्य के उत्तरी हिस्सों में ठंडी हवाओं और दक्षिणी हिस्सों में बादल छाए रहने से मौसम प्रभावित हुआ. पिछले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है और मौसम विभाग ने बताया है कि आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहेगा. हालांकि, सुबह और रात में ठंडक महसूस होगी, लेकिन कड़ाके की ठंड की संभावना नहीं है।

मुंबई और कोंकण में मौसम मुख्य रूप से साफ

4 जनवरी को कोंकण क्षेत्र में मौसम ज्यादातर साफ रहने का अनुमान है. मुंबई में अधिकतम तापमान लगभग 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. सुबह और रात में हल्की ठंडी हवा महसूस होगी. पिछले दो दिनों से मुंबई और कोंकण के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहे, जिससे न्यूनतम तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की गई।

पुणे, सोलापूर और आसपास के जिलों में ठंड की तीव्रता कम हो गई है. पुणे में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है, इसलिए प्रशासन ने वाहन

चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है. सोलापूर में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मराठवाड़ा और विदर्भ में शुष्क मौसम

मराठवाड़ा क्षेत्र में मुख्य रूप से शुष्क और साफ मौसम रहने का अनुमान है. छत्रपती संभाजीनगर में न्यूनतम 15 डिग्री और अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तापमान रहेगा. उत्तर महाराष्ट्र और विदर्भ के शहरों जैसे नाशिक और नागपुर में भी ऐसा ही मौसम रहेगा।

तापमान में वृद्धि होने के बावजूद सुबह और रात में ठंडक महसूस होने की संभावना है. मौसम विभाग ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे सुबह और रात में गर्म कपड़े पहनें. मौसम में अचानक बदलाव से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, इसलिए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

संत परंपरा ने भारत की संस्कृति को वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान दी है– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

संतों के विचारों से सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों को दिशा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

संतों ने वर्षों से समाज सुधार, सामाजिक जागृति तथा शैक्षणिक कार्यों की परंपरा को जीवंत बनाए रखा है। संत परंपरा के कारण ही विश्व पटल पर भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान निर्मित हुई है, यह प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

मुख्यमंत्री कांडिवली (पूर्व) स्थित सिंह एस्टेट में संतमत अनुयायी आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक अमित सातम, विधायक अतुल भातखलकर, विधायक प्रविण दरेकर, संतमत अनुयायी आश्रम ट्रस्ट के सचिव राधेश्याम यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संतों ने अपने आत्मज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज का सर्वांगीण विकास किया है। संतों के विचारों ने

सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों को स्पष्ट दिशा प्रदान की है। संतमत परंपरा में मानव सेवा, समता, प्रेम और सद्भाव केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने योग्य जीवन पद्धति है।

इन मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए श्री सद्गुरु शरणानंदजी महाराज परमहंस के अनुयायियों के माध्यम से संतमत अनुयायी आश्रम द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतमत अनुयायी आश्रमों का कार्य समाज को सेवा और प्रेम के मार्ग पर अग्रसर कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि मानव सेवा, समानता, प्रेम और सद्भाव जैसे मूल्यों के संरक्षण में आश्रम का योगदान अमूल्य है और यही संतमत परंपरा का वास्तविक स्वरूप है।

संतमत परंपरा के परमहंस महाराज ने जातिवाद और भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता को ही सर्वोच्च धर्म माना। उन्होंने आत्मज्ञान, अहंकार त्याग, बलिदान और मानव सेवा का संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संस्कृति में गीता केवल एक विचारधारा नहीं, बल्कि संस्कृति और सभ्यता को संजोते हुए श्रेष्ठ जीवन जीने की मार्गदर्शक है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह भी उल्लेख किया कि संत परंपरा ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया है।

नगर निकाय चुनाव में बीजेपी-शिवसेना के निर्विरोध सीटें जीतने पर भड़का विपक्ष, लगाए धांधली के आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भाजपा और शिवसेना के 32 उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाने के बाद विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस ने नगर निगम चुनावों में धांधली का आरोप लगाया है। विपक्ष ने इसे लेकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की है।

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए 68 उम्मीदवारों में से चौंका देने वाले 47 प्रतिशत (32 उम्मीदवार) अकेले ठाणे जिले से हैं।

ठाणे जिले में भाजपा-शिवसेना गठबंधन के 32 प्रत्याशी निर्विरोध जीते

भाजपा 20 निर्विरोध उम्मीदवारों के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 12 निर्विरोध उम्मीदवारों के साथ दूसरे स्थान पर है। कल्याण में भाजपा के 14 और शिवसेना के छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, जबकि ठाणे और भिवंडी में दोनों सत्ताधारी दलों के छह-छह उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है।

शिवसेना (यूबीटी) की ठाणे इकाई के प्रमुख केदार दिघे ने रविवार को चुनाव नतीजों की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे राज्य के नगर निगम चुनाव इतिहास में अभूतपूर्व घटना बताया। दिघे ने कहा, 'सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार ही निर्विरोध कैसे जीत सकते हैं? अगर

यह अवधारणा सही है, तो विपक्षी उम्मीदवारों को भी सूची में शामिल किया जाना चाहिए था।'

नागरिकों को मतदान के अधिकार से न किया जाए वंचित :मनसे

उन्होंने आगे तर्क दिया कि एक ही उम्मीदवार होने पर भी मतदाताओं को 'उपरोक्त में से कोई नहीं' (नोटा) का विकल्प उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने शनिवार को संकेत दिया कि वह निर्विरोध जीत के एलान को अदालत में चुनौती दे सकती है। एमएनएस के प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव ने इस मामले पर पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे को जानकारी दी है।

इस बीच ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में साफ किया कि हालांकि छह उम्मीदवार अपने-अपने वार्डों में इकलौते उम्मीदवार थे, उनके नाम अंतिम निर्णय के लिए राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को भेज दिए गए हैं।

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने हेतु स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा से दिल्ली में की भेंट

जनऔषधि से क्षयरोग उन्मूलन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यों को मिलेगी गति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सक्षम, प्रभावी और गतिशील बनाने के उद्देश्य से दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा तथा राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं कुटुंब कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर के बीच एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

इस बैठक में राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सार्वजनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने तथा रोगी-केंद्रित सेवाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती औषधियां सुलभ कराने के लिए राज्य के प्रत्येक जिला चिकित्सालय में जनऔषधि केंद्रों एवं अमृत औषधालयों के जाल का और विस्तार किया जाए। इससे रोगियों पर दवाइयों के खर्च का आर्थिक बोझ कम करने में सहायता मिलेगी।

क्षयरोग उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिला एवं तालुका स्तर पर अभियान स्वरूप विशेष रणनीति लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत जांच अभियान के विस्तार, उपचार में निरंतरता बनाए रखने, रोगियों को पोषण सहायता प्रदान करने तथा निक्षय मित्र योजना के माध्यम से पोषण आहार किट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

राज्य में क्षयरोग रोगियों की एक्स-रे जांच की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य को 96 अतिरिक्त हस्तचालित एक्स-रे मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच समन्वय के माध्यम से राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र की पहलों को गति देकर जनोन्मुखी, सक्षम एवं विश्वसनीय स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया गया। यह बैठक महाराष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री के साथ स्वास्थ्य सचिव ई. रविंद्रन तथा संचालक डॉ. नितिन अंबाडेकर भी उपस्थित थे।

ठाणे में 32 उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत पर बिफरा विपक्ष, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में सत्तारूढ़ भाजपा और शिवसेना के 32 उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने के बाद विपक्षी शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने निकाय चुनावों में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। विपक्ष ने इसके लिए सरकारी तंत्र और पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही उन्होंने 'नोटा' (इनमें से कोई नहीं) विकल्प की मांग करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की। राज्यभर में 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में निर्विरोध चुने गए 68 उम्मीदवारों में से 32 प्रत्याशी अकेले ठाणे जिले से हैं। इसमें भाजपा 20 निर्विरोध प्रत्याशियों के साथ सबसे आगे है, जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 12 उम्मीदवार शामिल हैं। कल्याण में 14 भाजपा और छह शिवसेना प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए हैं। जबकि ठाणे और भिवंडी में दोनों सत्तारूढ़ दलों के छह-छह उम्मीदवारों ने यह तमगा हासिल किया है।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

रविवार को एक साझा प्रेस वार्ता में शिवसेना (यूबीटी) नेता राजन विचारे और मनसे के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव ने राज्य सरकार

और पुलिस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सहयोगियों के लिए निर्विरोध चुनावी जीत की व्यवस्था करने का आरोप लगाया। जाधव ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी नामांकन वापसी के दिन शिवसेना (यूबीटी) प्रत्याशी विक्रांत घाग को ठाणे शहर में शिंदे के बंगले तक ले जाते हुए दिख रहा है और वह प्रत्याशी तबसे लापता है। उन्होंने दावा किया कि यह चुनाव धनबल और पुलिस के दबाव में हो रहा है।

पूर्व सांसद विचारे लगाए गंभीर आरोप

पूर्व सांसद विचारे ने आरोप लगाया कि राज्यभर में डरा-धमकाकर और नामांकन रद्द करवाकर कई उम्मीदवारों को निर्विरोध जीत दिलाई गई है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिकारियों ने पूरे महाराष्ट्र में 336 नामांकन फॉर्म को खारिज किया, जिससे सत्तारूढ़ दल को लाभ मिला। उन्होंने संबंधित चुनाव अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मनसे नेता जाधव ने चेतावनी दी कि अगर 48 घंटे के भीतर इन अधिकारियों को नहीं बदला गया, तो उनकी पार्टी अपने तरीके से विरोध करेगी।

विपक्ष ने की नाटो विकल्प की मांग

इससे पहले, शिवसेना (यूबीटी) की ठाणे इकाई के प्रमुख केदार दिघे ने नतीजों की वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि भले एक ही प्रत्याशी हो, तो भी मतदाताओं को नोटा का विकल्प दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायालय में दे सकते हैं चुनौती

राज ठाकरे की पार्टी ने संकेत दिया कि वह उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत को अदालत में चुनौती दे सकती है। इस बीच, ठाणे नगर निगम ने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय के लिए नाम राज्य चुनाव आयोग को भेज दिए गए हैं। वहीं, नवी मुंबई नगर निगम चुनावों में किसी भी प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित नहीं किया गया है।

मंत्री आशीष शेलार का झंझावाती प्रचार दौरा

मंत्री एड. आशीष शेलार का उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला

पहले इस्तीफा दें, फिर निर्विरोध चुनाव पर सवाल करें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। जो उद्धव ठाकरे स्वयं 14 मई 2020 को निर्विरोध चुने गए थे, वही आज सभी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर महायुति के निर्विरोध निर्वाचित नगरसेवकों के चयन पर सवाल उठा रहे हैं। पहले आप इस्तीफा दीजिए, उसके बाद निर्विरोध चुनाव पर बोलिए– यह तीखा तंज भाजपा के मुंबई चुनाव प्रभारी एवं मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने आज दिया।

मागाठाणे के वार्ड क्रमांक 3 में महायुति उम्मीदवार प्रकाश दरेकर के प्रचारार्थ आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंत्री आशीष शेलार ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। इस अवसर पर विधायक प्रविण दरेकर, संजय उपाध्याय, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी सहित महायुति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के प्रचार ने अब रफ्तार पकड़ ली है और रविवार का दिन मुंबईकरों के लिए 'प्रचारवार' साबित हुआ। भाजपा के मुंबई महानगरपालिका चुनाव प्रभारी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने झंझावाती दौरा करते हुए महायुति के उम्मीदवारों के पक्ष में व्यापक प्रचार किया।

इस दौरे की शुरुआत बांद्रा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 94 से हुई, जहां महायुति उम्मीदवार पल्लवी सरमळकर के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री योगेश कदम भी उपस्थित थे।

इसके बाद बांद्रा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 101 में महायुति उम्मीदवार अनुश्री घोडके के प्रचारार्थ पदयात्रा के दौरान मंत्री आशीष शेलार ने सीधे नागरिकों से संवाद साधते हुए उनकी समस्याएं, अपेक्षाएं और स्थानीय मुद्दों को जाना।

बांद्रा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित महायुति कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने विस्तार से संवाद किया। इस दौरान बांद्रा पश्चिम के सभी छह महायुति उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए प्रचार की दिशा, सभाओं की योजना, बूथ स्तर की तैयारी और जनसंपर्क को अधिक प्रभावी बनाने पर मार्गदर्शन दिया।

इसी क्रम में बोरीवली पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भी मंत्री आशीष शेलार ने सभी उम्मीदवारों के साथ बैठक की। वहीं शाम को ठाणे के घोड़बंदर रोड परिसर में उन्होंने महायुति उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार प्रचार किया।

अमित साटम का उद्धव ठाकरे पर पलटवार, 'उन्होंने मुझे गाली नहीं दी बल्कि मुंबई के...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीएमसी चुनाव को लेकर सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. इस बीच मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष अमित साटम ने उद्धव ठाकरे के बयान पर पलटवार किया है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वो बड़े परिवार से आते हैं. मैं एक सामान्य मराठी मध्यवर्गीय परिवार से आता हूं. उन्होंने मुझे गाली नहीं दी है, इस मुंबई के मध्यमवर्गीय मराठी लोगों को गाली दी है. उन्होंने मराठी लोगों का अपमान किया है. मैं एक आम परिवार से आता हूं, किसी का आशीर्वाद लेकर नहीं आया हूं.

अमित साटम ने उद्धव ठाकरे पर हमला बोलते हुए आगे कहा, ''अगर वे मेयर बने तो महाराष्ट्र पाकिस्तान बन जाएगा. जिस तरह से राज ठाकरे के कार्यकर्ता लड़ते हैं, उससे कल्चर खराब हो रहा है. मुंबईकरों का फैसला पक्का है. आने वाले चुनावों में भगवा लहराएगा और महायुति के मेयर बैठेंगे.''

'हमें एक काम दिखाओ जो 25 साल में उद्धव ठाकरे ने किए'

मुंबई बीजेपी प्रेसिडेंट ने ये भी कहा, ''अगले साल वे गणपति नहीं देखेंगे, वे दिवाली पर एक-दूसरे के साथ नहीं देखेंगे. हमें एक काम दिखाओ जो उद्धव ठाकरे ने 25 साल में मराठी लोगों के लिए किया हो. हम आपको 10 काम दिखाएंगे. हमने 33 चॉल में लोगों को घर दिए. आपने मातोश्री 2 बनाई.''

उद्धव ठाकरे ने क्या कहा था?

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष अमित साटम का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'चाटम कौन है?'' ठाकरे ब्रदर्स की तरफ से आज (4 दिसंबर) चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया. जिसमें मुंबई की जनता से कई वादे किए गए हैं. इस मौके पर उद्धव और राज ठाकरे ने मुंबई के डेवलपमेंट पर बात करते हुए BJP पर तंज कसा. उद्धव ठाकरे ने विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर की आलोचना भी की और कहा कि ऐसा लगता है जैसे हमारे देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है और भीड़ का राज शुरू हो गया है.

'निर्विरोध उम्मीदवार को चुनना लोकतंत्र का अपमान'

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''जब हमने उन्हें वोट चोरी करते हुए पकड़ा, तो वह हमारे उम्मीदवारों से भगाने लगे. निर्विरोध उम्मीदवार को चुनना लोकतंत्र का अपमान है. बीजेपी के विधायक राहुल नार्वेकर विपक्षी पार्टी के उम्मीदवारों को धमका रहे हैं. उनका अधिकार विधानसभा में है, बाहर वह सिर्फ़ एक विधायक हैं.''

बता दें कि बीएमसी समेत महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिकाओं के लिए 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे. वहीं 16 जनवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे. इस चुनाव में कुल 15,931 उम्मीदवार मैदान में हैं।

बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को झटका, ये दिग्गज महिला नेता बीजेपी में शामिल

मुंबई । मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है. यहां शिवसेना यूबीटी से इस्तीफा देने वाली मुंबई की पूर्व मेयर शुभा राउल ने बीजेपी का दामन थाम लिया. उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में पार्टी ज्वाइन की.

इससे पहले शुभा राउल ने बीजेपी नेता आशीष शेलार से मुलाकात की थी, जिसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि वो जल्द ही बीजेपी में शामिल हो जाएंगी. पूर्व मेयर शुभा राउल ने अपना इस्तीफा पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को सौंपा. वो शिव आरोग्य सेना के अध्यक्ष पद पर भी काबिज थीं. उन्होंने पार्टी की सदस्यता और शिव आरोग्य सेना के अध्यक्ष का पद भी छोड़ दिया. उन्होंने कुछ ही शब्दों में अपना इस्तीफा उद्धव ठाकरे को सौंपा और अब बीजेपी का हिस्सा हो गईं.

शुभा राउल ने क्यों छोड़ा उद्धव ठाकरे का साथ?

हालांकि शुभा राउल की शिवसेना (यूबीटी) से नाराजगी की वजह अभी तक सामने नहीं आई है. शुभा राउल को ठाकरे की शिवसेना में एक बड़ी महिला नेता के तौर पर जाना जाता था. अब बीएमसी चुनाव को लेकर अभियान और तेज हुआ है, इस बीच अच्छी सियासी पकड़ वाली महिला नेता का इस्तीफा देकर बीजेपी के साथ जाना शिवसेना यूबीटी के लिए बड़ा झटका है.

ठाकरे ब्रदर्स का घोषणा पत्र जारी

ठाकरे ब्रदर्स ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए 'शब्द ठाकरे' घोषणापत्र जारी किया. इसमें ऐसे कई वादे किए गए हैं, जिसका मुंबईकरों की ज़िंदगी पर बड़ा असर पड़ता है. इसमें कर्मचारियों और मुंबईकरों के लिए घर, डेकेयर सेंटर, पेट एनिमल, पानी और सीवेज, सड़कें, बिजली, कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार जैसे कई मुद्दे शामिल हैं. इस मौके पर राज ठाकरे करीब 20 साल बाद शिवसेना भवन पहुंचे थे.

'वोट चोरी के बाद अब वे उम्मीदवारों की चोरी कर रहे'

इस दौरान उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, ''देश का माहौल ऐसा है मानो लोकतंत्र की जगह भीड़तंत्र ने ले ली हो.'' नगर निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रत्याशियों के निर्विरोध जीतने पर उन्होंने टिप्पणी की. शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा, ''वोट चोरी के बाद अब वे उम्मीदवारों की भी चोरी कर रहे हैं. जिन सीट पर उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, वहां चुनाव रद्द करें और उन वार्ड में फिर से चुनाव प्रक्रिया शुरू करें.''

सम्पादकीय

'जी राम जीः ग्रामीण भारत में विश्वास और उम्मीद'

भारतीय राजनीति में, विश्वास सिर्फ़ एक शब्द नहीं है, बल्कि यह जनता की सोच और पॉलिसी के नतीजों की झलक है। 'विकसित भारत - जी राम जी' बिल और इससे जुड़ी स्कीमें इस विश्वास का सबूत हैं। जब केंद्र सरकार ने संसद में यह बिल पेश किया, तो यह सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सोशल जस्टिस और ग्रामीण कल्याण के आदर्शों से प्रेरित था। यह बिल सिर्फ़ एक लीगल डॉक्यूमेंट नहीं है, बल्कि उन स्कीमों की निशानी है जो 1.25 बिलियन लोगों तक पहुंचेंगी।

मौजूदा सरकार का विज़न साफ़ हैः डेवलपमेंट सिर्फ़ अनाउंसमेंट तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसके लिए लंबे समय तक चलने वाला असर और प्लान का ट्रांसपेरेंट इम्प्लीमेंटेशन ज़रूरी है। ग्रामीण रोज़गार, फ़ूड डिस्ट्रीब्यूशन, महिला एम्पावरमेंट और मिनिमम इनकम सिक्योरिटी जैसी पॉलिसी लागू की गई हैं। इन पॉलिसी ने ग्रामीण और पिछड़े समुदायों में भरोसा और उम्मीद बढ़ाई है।

ग्रामीण इकॉनमी हमेशा से कमज़ोर रही है। ज़्यादातर खेती-बाड़ी वाली लाइफस्टाइल, सीमित इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और सीज़नल रोज़गार की अस्थिरता ने ग्रामीण लोगों को टेम्पररी रोज़गार और माइग्रेशन के लिए मजबूर किया है। इस मामले में, केंद्र सरकार की ग्रामीण रोज़गार स्कीमें एक सोचा-समझा प्रयास हैं।

यह स्कीम न सिर्फ़ रोज़गार देती है बल्कि ग्रामीण इलाकों में लोकल कंस्ट्रक्शन और प्रोडक्शन एक्टिविटी को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवाओं का जुड़ाव और लोकल रिसोर्स का इस्तेमाल इस स्कीम को टिकाऊ और असरदार बनाता है। इससे यह पक्का होता है कि ग्रामीण लोग आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करें और माइग्रेशन कम हो।

महिलाओं की किस्मत सुधारना सिर्फ़ सोशल जस्टिस का सवाल नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास और कम्युनिटी स्टेबिलिटी की भी निशानी है। 'जी राम जी' स्कीम के तहत, महिलाओं को नौकरी और ट्रेनिंग के मौके दिए गए हैं। इसका असर साफ़ दिख रहा है–महिलाओं ने अपने परिवार की इनकम में अपना योगदान बढ़ाया है, लोकल प्रोडक्टिविटी में हिस्सा लिया है, और अपने समुदायों में फ़ैसले लेने की ताकत बढ़ाई है।

महिलाओं के एम्पावरमेंट का यह पहलू स्कीम की लंबे समय की सफलता के लिए बहुत ज़रूरी है। जब महिलाओं को आर्थिक आज़ादी मिलती है, तो परिवार के लेवल पर शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूट्रिशन के स्टैंडर्ड भी बेहतर होते हैं। इस तरह, यह स्कीम सिर्फ़ आर्थिक सुधारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव की नींव भी रखती है।

भारत में फ़ूड सिक्योरिटी हमेशा से सोशल पॉलिटिक्स का सेंटर रही है। गरीबों और पिछड़े लोगों को ज़रूरी अनाज और मिनिमम इनकम सिक्योरिटी देना सिर्फ़ दान या राहत का मामला नहीं है, बल्कि न्याय और संवैधानिक ज़िम्मेदारी का मामला है। रामजी बिल ने इसी दिशा में कदम उठाए।

इस स्कीम का सीधा नतीजा, जो 1.25 बिलियन बेनिफिशियरी तक पहुँची है, भोजन और इनकम में भरोसा पैदा करना है। गरीब अब रोज़मर्रा की मुश्किलों में नहीं फँसे हैं, बल्कि उन्हें भविष्य की योजनाओं में हिस्सा लेने और उम्मीद महसूस होती है। यह भरोसा सरकार और लोगों के बीच रिश्ते की मज़बूती को दिखाता है।

सभी पॉलिसी की आलोचना होना आम बात है। विपक्ष ने सवाल उठाए हैंः क्या यह प्लान लंबे समय तक आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए काफ़ी है? क्या यह सिर्फ़ कुछ समय के लिए राहत है? क्या इसे लागू करने से ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी पक्की होती है?

ये सवाल ज़रूरी हैं। डेवलपमेंट को सिर्फ़ तुरंत के नतीजों से नहीं मापा जा सकता। इसे सस्टेनेबिलिटी, मॉनिटरिंग और समय पर सुधार के कॉम्बिनेशन के तौर पर देखा जाना चाहिए। आलोचना हमें यह भी याद दिलाती है कि पॉलिटिकल भरोसा तभी बनता है जब किसी प्लान के नतीजे लगातार दिखें और जनता के अनुभव से मेल खाएं।

पॉलिटिकल भरोसा सिर्फ़ चुनावी रैलियों या भाषणों से नहीं बनता। यह तब और मज़बूत होता है जब जनता नतीजे देखती है, महसूस करती है और महसूस करती है। 'जी राम जी' स्कीम इस मामले में अनोखी है–यह दिखाती है कि अगर सरकार सिस्टम, पॉलिसी और लागू करने के बीच बैलेंस बनाए रखे तो जनता का भरोसा बढ़ाया जा सकता है।

यह भी ज़रूरी है कि सरकार लगातार स्कीम की मॉनिटरिंग करे और उसे बेहतर बनाए। स्कीम का असर तभी बना रहता है जब लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, पंचायत और बेनिफिशियरी के बीच कम्युनिकेशन और अकाउंटेबिलिटी हो। यह डेमोक्रेटिक गवर्नेंस की सबसे बड़ी ताकत है। 'जी राम जी' बिल ने भरोसे और पॉलिसी के मामले में एक नई मिसाल कायम की है। भविष्य में इसकी और सफलता पक्का करने के लिए कुछ कदम ज़रूरी हैं।

सस्टेनेबिलिटी और विस्तारः यह स्कीम सिर्फ़ मौजूदा बेनिफिशियरी तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि नई टेक्नोलॉजी और स्किल डेवलपमेंट के साथ इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

'भाजपा के लिए सोने पे सुहागा'

मुंबई मनपा की निर्णायक लड़ाईः नेतृत्व, संगठन और जनून

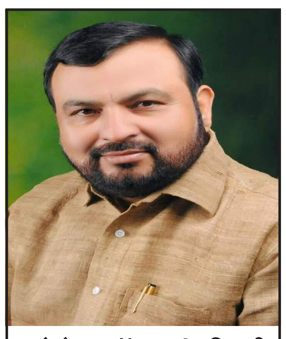

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

मुंबई महानगरपालिका का चुनाव जैसे-जैसे निकट आता जा रहा है, वैसे-वैसे इस महायुद्ध की राजनीतिक तस्वीर और अधिक स्पष्ट, तीक्ष्ण और निर्णायक होती जा रही है। यह केवल नगरसेवकों की संख्या का चुनाव नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक राजधानी की दिशा, दशा और दृष्टि तय करने वाला जनादेश है। आज यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय जनता पार्टी मुंबई में सिर्फ़ चुनाव नहीं लड़ रही, बल्कि जनविश्वास, सुशासन और विकास के बल पर नेतृत्व स्थापित करने की ओर निर्णायक कदम बढ़ा रही है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस सरकार के विकास कार्यों के साथ-साथ मुंबई भाजपा का सशक्त संगठनात्मक ढांचा इस पूरी मुहिम को वास्तव में 'सोने पे सुहागा' बना रहा है।

मुंबई जैसे महानगर में राजनीति केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ज़मीनी पकड़, प्रशासनिक समझ और निरंतर जनसंपर्क से चलती है। यही कारण है कि इस चुनाव में भाजपा की रणनीति भावनात्मक अपील तक सीमित न होकर भरोसे, प्रदर्शन और भविष्य की ठोस रूपरेखा पर आधारित दिखाई देती है।

संगठन की धुरीः आशीष शेलार और अमित साटम

इस संदर्भ में भाजपा मुंबई के पूर्व अध्यक्ष आशीष शेलार और वर्तमान अध्यक्ष अमित साटम की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। दोनों की कार्यशैली अलग-अलग होते हुए भी लक्ष्य एक ही रहा है–मजबूत संगठन, अनुशासित कार्यकर्ता और जनसरोकारों से जुड़ी स्पष्ट राजनीति।

आशीष शेलारः आक्रामक नेतृत्व और संगठन की मज़बूत नींव

आशीष शेलार के कार्यकाल में मुंबई भाजपा ने आक्रामक और मुखर विपक्ष की भूमिका से आगे बढ़कर संगठनात्मक विस्तार और वैचारिक स्पष्टता हासिल की। वे ऐसे नेता रहे जिन्होंने कार्यकर्ताओं को केवल चुनावी समय में सक्रिय होने वाली मशीन नहीं, बल्कि विचारधारा के सजग सिपाही के रूप में गढ़ा। ंुबई जैसे जटिल, बहुसांस्कृतिक और बहुवर्गीय महानगर में भाजपा की उपस्थिति को हर वार्ड, हर मोहल्ले और हर सामाजिक वर्ग तक पहुँचाना–यह शेलार जी की रणनीतिक क्षमता और अथक परिश्रम का प्रतिफल रहा। उनकी स्पष्ट वाणी, मुद्दों पर बेबाकी और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद आज भी पार्टी की वैचारिक और संगठनात्मक ताक़त बना हुआ है।

उन्होंने यह स्थापित किया कि भाजपा केवल सत्ता की आकांक्षी नहीं, बल्कि वैकल्पिक और सक्षम प्रशासन देने वाली पार्टी है।

अमित साटमः अनुशासन, पकड़ और परिणाम

वर्तमान अध्यक्ष अमित साटम ने इस मज़बूत नींव पर संगठन को नई ऊर्जा, अनुशासन और परिणामोन्मुखी दिशा दी है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता है–ग्रिप ऑन ग्राउंड। वे संगठन को काग़ज़ों और बैठकों से निकालकर ज़मीन पर सक्रिय रखने में विश्वास करते हैं। बूथ कमेटियों की सक्रियता, वार्ड स्तर पर निरंतर संवाद, कार्यकर्ताओं की नियमित बैठकें, डेटा-आधारित फीडबैक सिस्टम और त्वरित निर्णय–इन सबके माध्यम से उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि भाजपा का हर कार्यकर्ता चुनावी मोड में नहीं, बल्कि जनसेवा मोड में रहे। यही निरंतरता मतदाता के मन में भरोसा पैदा करती है।

कार्यकर्ताओं का जज़्बाः भाजपा की असली शक्ति

किसी भी राजनीतिक दल की असली ताक़त उसके कार्यकर्ता होते हैं–और इस कसौटी पर मुंबई भाजपा पूरी तरह खरी उतरती है। आज भाजपा का कार्यकर्ता केवल पोस्टर लगाने या रैली में भीड़ जुटाने तक सीमित नहीं है।

वह सोशल मीडिया पर पार्टी का पक्ष तार्किक ढंग से रखता है, मोहल्लों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देता है, नागरिक समस्याओं को प्रशासन तक पहुँचाता है और संकट के समय जनता के साथ खड़ा रहता है। कोविड काल से लेकर मानसून आपदाओं तक, मुंबई भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह सिद्ध किया कि वे सत्ता की नहीं, सेवा की राजनीति करते हैं। यही जज़्बा धीरे-धीरे मतदाता के मन में स्थायी विश्वास में बदलता है।

विकास का एजेंडाः मोदी-फड़नवीस मॉडल की स्पष्ट छाप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के नेतृत्व में प्रस्तुत विकास मॉडल का सीधा और प्रत्यक्ष लाभ मुंबई को मिला है।

मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, कोस्टल रोड परियोजना, मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शी प्रशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अभूतपूर्व निवेश–ये सभी कार्य जनता की आँखों के सामने हैं। आज शहरी मतदाता यह समझ चुका है कि विकास के लिए स्थिर नेतृत्व, स्पष्ट नीति और सक्षम क्रियान्वयन आवश्यक है, और यह भरोसा स्वाभाविक रूप से भाजपा के पक्ष में जाता है।

युति का संतुलन और विपक्ष की कमजोरी

भाजपा-शिवसेना युति का संतुलन वोट-कटाव को रोकता है और जीत की संभावनाओं को कई गुना बढ़ाता है। इसके विपरीत, विपक्ष बिखरा हुआ दिखाई देता है–न नेतृत्व स्पष्ट है, न कोई सकारात्मक एजेंडा। जहाँ भाजपा संगठन, विकास और भविष्य की बात करती है, वहीं विपक्ष प्रतिक्रियात्मक राजनीति और आंतरिक विरोधाभासों में उलझा हुआ है। यही कारण है कि मुंबई का जागरूक, शहरी मतदाता निर्णायक रूप से भाजपा की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

मुंबई मनपाः '200 पार' का यथार्थ

यदि इन सभी बिंदुओं को समग्रता में देखें–

मज़बूत केंद्रीय और राज्य नेतृत्व

आशीष शेलार और अमित साटम जैसा प्रभावी संगठनात्मक नेतृत्व

समर्पित, प्रशिक्षित और सेवाभावी कार्यकर्ता

स्पष्ट, विश्वसनीय विकास एजेंडा

कमजोर और बिखरा विपक्ष

तो यह कहना पूरी तरह तार्किक है कि भाजपा-युति का '200 पार' का लक्ष्य अब केवल नारा नहीं, बल्कि यथार्थ के बेहद क़रीब खड़ा एक राजनीतिक सच है।

मुंबई मनपा का यह चुनाव भावनाओं का नहीं, भरोसे और प्रदर्शन का चुनाव है। भाजपा के पास नेतृत्व भी है, नीयत भी और नीति भी। आशीष शेलार द्वारा रखी गई मज़बूत नींव और अमित साटम के सशक्त संचालन में कार्यकर्ताओं का जनून–भाजपा के लिए वास्तव में सोने पे सुहागा सिद्ध हो रहा है।

मुंबई आज निर्णय के मोड़ पर खड़ी है, और संकेत स्पष्ट हैं कि यह महानगर विकास, स्थिरता और सक्षम नेतृत्व के साथ आगे बढ़ना चाहता है।

'हम समझते हैं' कह देना आसान है, लेकिन क्या कोई सच में किसी का दुख समझ पाता है?

कई बार लोग कहते हैं कि हम आपको समझते हैंष्ठ आपकी पीड़ा, आपके दुख और तकलीफ, भावनाओं को समझते हैं। ऐसे शब्द अक्सर सुनने को मिल जाते हैं। कई बार हमारे बहुत करीबी, रिश्ते-नातेदार अपनी निकटता दिखाने के लिए कहते हैं कि हम आपके दुख, आपकी पीड़ा को समझते हैं। उनका यह कहना वास्तव में मात्र जुबानी जमा खर्च होता है, जिसे कोई भी किसी को सांत्वना देने के लिए आमतौर पर औपचारिकता निभाने की खातिर कह देता है। हालांकि ऐसा कहना एक तरह की कठोरता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में सच यही है।

अगर हम एक इंसान के रूप में थोड़े-से संवेदनशील हैं, तो हम किसी के दुख के प्रति भावुक हो सकते हैं। हो सकता है कि उसके दुख से हम थोड़े बहुत दुखी भी हो जाएं, पर पूरी तरह किसी के दुख, पीड़ा, मर्म को समझ पाना लगभग असंभव है। एक हद तक अगर संभव है भी, तो यह तब हो पाता है, जब कोई व्यक्ति खुद उसी के बराबर की पीड़ा से गुजरा होता है।

किसी को समझना और किसी की पीड़ा की गहराई में उतरना क्या आसान है? इंसान का दुख एक अंधेरे गहरे कुएं की तरह होता है। उस अंधेरे और गहराई में कितनी तहें हैं, यह कोई नहीं जानता है। बाहर से देखने पर कुछ और लगता है और अंदर उतरने पर कुछ और भी हो सकता है। और जब कोई चीज दिखाई ही नहीं दे रही, तो हम सिर्फ अंदाजा लगा सकते हैं, सौ फीसद क्या है, यह हम नहीं बता सकते।

ऐसा भी नहीं है कि हम किसी के दुख के कुएं में कूद जाएं। जाने के लिए भावनाओं की एक पूरी नदी पार करनी पड़ती है। अपनत्व की सीढ़ी बनानी पड़ती है। संवेदना से अपनी हृदय-भूमि को सिंचित करना पड़ता है। उसके बाद एक-एक सीढ़ी उतरना पड़ता है। वह भी बेहद संभल-संभल कर, तब जाकर कहीं नीचे तक हम पहुंचने की राह मिल पाती है। अगर हम जरा भी जल्दबाजी और अनमनापन दिखाते हैं, तो आधे रास्ते से वह सीढ़ियां गायब हो जा सकती हैं और वहीं से हमें वापस आना पड़ जा सकता है।

जुबान भले ही कुछ भी कहे, लेकिन वास्तव में देखा जाए, तो ऐसा बिल्कुल भी संभव नहीं है कि कोई किसी की पीड़ा को पूरी तरह से समझ ले। जिस रूप में व्यक्ति पीड़ा को भोग रहा है, उसी रूप में, उन्हीं भावनाओं के साथ कोई महसूस कर ले। क्या यह संभव है? अपने पांव पर चलने वाला पूरी तरह स्वस्थ इंसान साल भर से बिस्तर पर अशक्त रूप से पड़े हुए किसी इंसान के मन के दुख को किस तरह समझ सकता है।

पूरी तरह स्वस्थ तो छोड़ दिया जाए, जो उस अवस्था से गुजर रहा है, वह व्यक्ति भी उस व्यक्ति की पीड़ा को सौ फीसद नहीं समझ सकता है, क्योंकि हो सकता है कि दोनों की परिस्थितियां अलग हों। हम किसी की पीड़ा का मात्र कुछ अंश ही समझ सकते हैं, पूरी तरह समझना असंभव है, क्योंकि जो व्यक्ति पीड़ा भोग रहा है, वह पूरे समय इस दुख में जीता है।

और जो व्यक्ति समझने का दावा कर रहा है कि उसकी पीड़ा को समझ रहा है, वह मात्र उस व्यक्ति के समंदर-से दुख के मात्र एक कतरे को समझने का प्रयास कर रहा है। यह कतई संभव नहीं है कि हम एक पूरी किताब को एक पन्ना पढ़कर समझ जाएं। किसी के दुख को पूरी तरह या पर्याप्त गहराई के साथ समझने के लिए उस किताब को पूरा पढ़ना पड़ेगा।

उसी परिस्थिति में पढ़ना पड़ेगा और उसी अवस्था, भावना में पढ़ना पड़ेगा और उतना ही समय लेना पड़ेगा। तब जाकर हो सकता है कि कहीं हम किसी व्यक्ति की पीड़ा की तहों में पहुंच पाएं।

इसीलिए यह संभव नहीं है कि हम कितने भी संवेदनशील व्यक्ति हों, किसी के दुख को समझ सकते हैं। दुख-सुख दरअसल परिस्थिति, भावनाओं, अपनों के व्यवहार के अलावा भी बहुत सारी बातों के साथ मिलकर संगति करता है। एक पति-पत्नी बरसों साथ रहते हैं। एक खुशहाल परिवार के रूप में रहते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि दोनों एक दूसरे की पीड़ा को पूरी तरह समझते हों।

अक्सर हम लोगों को उतना ही समझते हैं, जितनी हमें आवश्यकता होती है। उसके बाद अन्यथा के रूप में छोड़ देते हैं। हर इंसान को हर रिश्ते में सबसे बड़ा दुख या फिर शिकायत यही होती है कि सामने वाला हमें समझ नहीं रहा है। इसलिए जितना जल्दी हो सके, अपने आप को यह बात समझा लेना चाहिए कि हमारे दुख को सौ फीसद कोई नहीं समझ सकता, क्योंकि बहुत बार हम खुद नहीं समझ सकते हैं कि हम क्या चाहते हैं, क्योंकि दुख भी रूप बदलता रहता है।

यों भी, यह हम दूसरों से कैसे अपेक्षा कर सकते हैं कि दूसरा एकदम हमारे मन के अनुरूप हमारी बात, भावना, पीड़ा को समझ पाएगा। अगर कोई हमारी बातों को, भावनाओं को कुछ हद तक भी समझ जाता है, तो यह मान लेना चाहिए कि उस व्यक्ति को हमारी परवाह, हमसे लगाव और प्रेम है।

उसे रिश्ते को प्रसन्नता के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए। किसी की भावना, पीड़ा या दुख, किसी की समझ, सोच को समझना दरअसल एक जटिल, बेहद थकाने वाला काम है। भागती-दौड़ती इस दुनिया में यह उम्मीद करने की जरूरत नहीं है कि कोई हमें पूरी तरह समझ पाएगा, क्योंकि यह उम्मीद पालना ही एक नए दुख को जन्म दे देगा। और मन में कड़वाहट उपजेगा, वह अलग दुख होगा। थोड़े को ही पूरा मानना हमें सहज और सरल बनाएगा, जो सुखी मन से जीने के लिए जरूरी है।

खामोश कोहरा, जानलेवा खतरा, सर्दियों में सड़कें क्यों बन जाती हैं मौत का जाल

कोहरा सड़क सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सबसे भ्रामक और खतरनाक प्राकृतिक परिस्थितियों में से एक है। भारी वर्षा या तूफान की तरह कोहरा शोर या तीव्रता के साथ नहीं आता, बल्कि यह चुपचाप वातावरण को अपनी चादर में ढक लेता है। यह दृश्यता को अत्यधिक कम कर देता है, दूरी के आकलन में भ्रम पैदा करता है और मनुष्य की प्रतिक्रिया क्षमता को धीमा कर देता है। हर वर्ष, विशेषकर उत्तर भारत में सर्दी के महीनों के दौरान घना कोहरा राष्ट्रीय राजमार्गों, शहरी सड़कों और ग्रामीण मार्गों पर भीषण हादसों का कारण बनता है। कई वाहनों की एक साथ टक्कर, खड़े वाहनों से टकराव, तथा बसों, ट्रकों और निजी वाहनों से जुड़ी दुर्घटनाएं अब लगभग रोजमर्रा की बात हो गई हैं। ऐसे में कोहरे के दौरान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना एक तकनीकी जरूरत बन चुकी है।

कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं के घातक होने का एक मुख्य कारण दृश्य संकेतों का अचानक गायब हो जाना है। चालक वाहन चलाते समय दूरी, गति और सड़क की दिशा का अनुमान लगाने के लिए मुख्य रूप से अपनी दृष्टि पर निर्भर रहता है। जब कोहरे के कारण

दृश्यता कुछ मीटर तक सीमित हो जाती है, तो अनुभवी चालक भी समय पर प्रतिक्रिया देने में असमर्थ हो जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज गति से चलने वाले वाहन अक्सर धीमी गति से चल रहे या सड़क किनारे खड़े वाहनों, अवरोधकों या पैदल यात्रियों से टकरा जाते हैं। ऐसी सूरत में पीछे से आने वाले चालक आगे की स्थिति को समय रहते नहीं देख पाते, जिससे श्रृंखलाबद्ध टक्कर होती हैं। रात के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जब अंधेरा और कोहरा मिलकर वाहनों की साधारण रोशनी को निष्प्रभावी बना देते हैं और कई बार प्रकाश का परावर्तन दृश्यता को और खराब कर देता है।

इस संकट में तकनीकी कमियां भी हादसों के लिए जिम्मेदार हैं। कई राष्ट्रीय राजमार्गों सहित देश की अधिकांश सड़कों पर दृश्यता बढ़ाने वाली आधुनिक संरचनाओं का अभाव है। सड़क पर बनी परावर्तक रेखाएं उचित रखरखाव के अभाव में जल्दी फीकी पड़ जाती हैं। संकेतक बोर्ड या तो परावर्तक नहीं होते या धूल, मिट्टी और झाड़ियों से ढके रहते हैं। हालांकि, नियमों के अनुसार वाहनों में 'फाग लैंप' होना चाहिए, लेकिन बड़ी संख्या में वाहनों में ये या तो लगे नहीं होते या काम नहीं करते हैं। जहां तकनीक उपलब्ध है, वहां भी उसका प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी और चालकों में जागरूकता की भारी कमी देखने को मिलती है। उपलब्ध समाधानों और जमीनी हकीकत के बीच की यही खाई लगातार लोगों की जान ले रही है।

आधुनिक तकनीक कोहरे से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए कई प्रभावी उपाय प्रदान करती है। 'इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम' (आइटीएस) इस दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है। ये प्रणालियां सेंसर, कैमरे और वास्तविक समय के आंकड़ों की सहायता से मौसम तथा यातायात की स्थिति पर लगातार निगरानी रखती हैं। परिवर्तनीय संदेश संकेतक बोर्ड चालकों को आगे कोहरे की तीव्रता की जानकारी दे सकते हैं, गति कम करने की सलाह दे सकते हैं और दुर्घटना या जाम की चेतावनी भी दे सकते हैं। विकसित देशों में व्यस्ततम राजमार्गों पर कोहरे की सघनता का पता लगाने वाले सेंसर लगाए गए हैं, जो अपने आप चेतावनी संकेत सक्रिय कर देते हैं और वाहनों की गति सीमा को समायोजित कर देते हैं। यदि भारत के कोहरा-प्रभावित राजमार्गों पर ऐसी प्रणालियां स्थापित की जाएं, तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

वाहन-आधारित तकनीकें भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। 'एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम' जैसे-स्वतः आपातकालीन ब्रेकिंग, लेन से बाहर जाने की चेतावनी और अनुकूल क्रूज कंट्रोल, कम दृश्यता और धीमी मानवीय प्रतिक्रिया की भरपाई कर सकते हैं। इंफ्रा-रेड कैमरे और थर्मल इमेजिंग प्रणाली दृश्य सीमा से परे बाधाओं और जीवित प्राणियों का संकेत दे सकती हैं। सड़क की रूपरेखा और आधारभूत संरचना को भी जलवायु की वास्तविकताओं के अनुरूप विकसित करना होगा।

राजमार्गों की योजना बनाते समय कोहरा-प्रवण क्षेत्रों को विशेष ध्यान में रखना आवश्यक है। उचित जल निकासी, सड़क किनारे परावर्तक संकेत, प्रकाशित लेन चिह्न और 'रंबल स्ट्रिप्स' कम दृश्यता में भी चालकों को साफ संकेत प्रदान कर सकते हैं। सौर ऊर्जा से चलने वाले एलईडी स्टड कोहरा भरी रातों में लेन और मोड़ों को स्पष्ट रूप से दर्शा सकते हैं। ओवरब्रिज, अंडरपास और दुर्घटना-प्रवण हिस्सों पर बेहतर रोशनी तथा स्पष्ट संकेतक अनिवार्य होने चाहिए।

मानवीय व्यवहार इस पूरी समस्या में निर्णायक भूमिका निभाता है। कई चालक कोहरे में भी असुरक्षित गति से वाहन चलाते हैं। चालक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग की विशेष तकनीकों पर जोर दिया जाना चाहिए। अवैध रूप से खड़े वाहन, सड़क किनारे अतिक्रमण और अनधिकृत ढाबे अचानक रुकावटें पैदा करते हैं और कोहरे में जानलेवा साबित होते हैं।

जन-जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि साझा जिम्मेदारी है। यात्रा से पहले मौसम की जानकारी लेना, घने कोहरे में अनावश्यक रात्रि यात्रा से बचना और वाहन की तकनीकी स्थिति सुनिश्चित करना कई जिंदगियां बचा सकता है। कोहरे से होने वाली सड़क दुर्घटनाएं प्रकृति की देन नहीं, बल्कि तकनीकी कमी, कमजोर योजना, ढीले प्रवर्तन और जागरूकता के अभाव का परिणाम हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने दीप जलाकर किया

लोक आस्था और जन विश्वास की जीवंत परंपरा है माघ मेला : डॉ. धनंजय चोपड़ा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सदियों से चली आ रही लोक आस्था की अविरल यात्रा हर वर्ष संगम तट पर ठहरकर माघ उत्सव के रूप में स्वयं को अभिव्यक्त करती है। यही परंपरा माघ मेला और प्रत्येक छह वर्ष में कुंभ मेले के रूप में देश-दुनिया को प्रयागराज की ओर आकर्षित करती है। संगम की रेती केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संवारने का जीवंत माध्यम भी है। यह विचार वरिष्ठ लेखक, चिंतक एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन केंद्र के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. धनंजय चोपड़ा ने व्यक्त किए।

डॉ. चोपड़ा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में आयोजित माघ मेले के अवसर पर आयोजित 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' कार्यक्रम के अंतर्गत 'शब्द-ब्रह्म' संगोष्ठी में 'लोक आस्था एवं जन विश्वास का महोत्सव' विषय पर विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि माघ मेले में जन विश्वास की असंख्य कथाएं मिलती हैं, जो न केवल जीवन में ऊर्जा का संचार करती हैं, बल्कि हमें जीवन जीने की कला भी सिखाती हैं। मेले के दौरान होने वाला कल्पवास आस्था से आगे बढ़कर जीवन प्रबंधन की एक अनुपम पाठशाला है। यही कारण है कि देश-विदेश के विश्वविद्यालयों के शोधार्थी कल्पवास की प्रक्रिया और उसके प्रभावों के अध्ययन हेतु प्रयागराज आते हैं। यह मेला हमारी लोक संवेदनाओं को सहेजते हुए बदलते समय में समाज को जीवन की दिशा दिखाता रहेगा।

इस अवसर पर डॉ. श्लेष गौतम ने कहा कि महाकुंभ और माघ मेला हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक तथा लोक आस्था एवं जन

विश्वास के महोत्सव हैं, जिन्हें समेकित दृष्टि से समझने पर ही उनके व्यापक महत्व, विविधता और वैचारिकी को जाना जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज माघ मेला और कल्पवास की परंपरा वैश्विक संवाद का विषय बन चुकी है, क्योंकि भारत की ज्ञान, दर्शन, चिंतन और लोक जीवन की परंपराएं सदैव विश्व को आकर्षित करती रही हैं। संगम की त्रिवेणी रेती पर तंबुओं का यह विस्तार एक आध्यात्मिक लोक का साकार रूप है, जहां वेद, वेदांत, उपनिषद और महाकाव्यों के संदर्भों के साथ जीवन और चेतना पर गहन विमर्श होता है। असली त्रिवेणी आत्मिक शुद्धि का है।

शब्द-ब्रह्म : साहित्य और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में माघ मेला विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रो. राजेंद्र त्रिपाठी 'रसराज' ने तीर्थराज प्रयाग के पौराणिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ब्रह्मपुराण और स्कंद पुराण के साक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्मा द्वारा सर्वोत्कृष्ट यज्ञ संपादित किए जाने के कारण इस स्थल का नाम प्रयाग पड़ा। समस्त तीर्थों में श्रेष्ठ होने से इसे प्रयागराज कहा गया। स्कंद पुराण के अनुसार माघ माह में समस्त तीर्थों का समागम प्रयाग में होता है, जो लोक आस्था का मूल कारण है। कल्पवास का माहात्म्य ही माघ मेले का प्राण तत्व है और यही आस्था आज भी परंपरा के रूप में जीवित है। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं उपस्थित वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि

'शब्द-ब्रह्म भारतीय संस्कृति की उस चेतना का प्रतीक है, जहाँ लोक आस्था, साहित्य और जीवन दर्शन एक-दूसरे से संवाद करते हैं। माघ मेला हमारी जीवंत परंपरा और जन विश्वास का महोत्सव है।' 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' के माध्यम से हम इसी सांस्कृतिक विरासत को संवाद और विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास कर रहे हैं।' इसके बाद मंत्रोचारण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें आशीष पाल, समिष्ठा पाल, परिधि घोष, प्रसुन घोष, प्रबुद्ध पाल, यथार्थ चौबे व गौरी ने भाग लिया। केन्द्र निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद द्विवेदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती कल्पना सहाय ने किया।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी का मनाया गया जन्मोत्सव समारोह

डाक्टर मुरली मनोहर जोशी आधुनिक विकास के महाग्रंथ : डॉ नरेन्द्र सिंह गौर

प्रयागराज। डॉ मुरली मनोहर जोशी शुभचिंतक समिति के द्वारा वात्सल्य सभागार सिविल लाइन में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी का 91वां जन्मदिन समारोह मनाया गया इस अवसर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कार्यकर्ताओं के साथ डॉ मुरली मनोहर जोशी जी के सचित्र पर मिठाई खिलाते हुए उन्हें 91वीं जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि और कहा डॉ मुरली मनोहर जोशी ने अपना जीवन एक सफल राजनेता एवं शिक्षक के रूप में राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी जी के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को एक नई ऊंचाई दी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कार्यकर्ताओं को गढ़ने ने का काम किया और जब वे देश के केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री बने तो उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा दिलाया और नैनी ब्रिज का निर्माण किया, इसके अलावा खेलगांव की नींव रखी और प्रयागराज को साइंस सिटी घोषित करते हुए ट्रिपल आईटी कॉलेज का निर्माण कराया वास्तव में डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी विकास के एक महा ग्रंथ के रूप में उभरे जिसे प्रयागराज भूल नहीं सकता।

इस अवसर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ कैलाश उत्तम , डा एलएस ओझा, भाजपा

महामंत्री देवेश सिंह, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि डॉ मुरली मनोहर जोशी का प्रयागराज के विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट एवं संयोजिका श्रीमती सोनी भट्ट ने संचालन करते हुए कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और डॉ जोशी जी को जन्मदिन की बधाई देते हुए दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर पार्षद आशीष द्विवेदी, सुभाष वैश्य, सोनी भट्ट शिवेंद्र मिश्रा, रमन घोष, ज्ञानेंद्र गुप्ता , विजय श्रीवास्तव , शुभांकर सिंह, सर्वेश ठाकुर, चंद्रा अहलूवालिया, कल्पना शर्मा, विजय श्रीवास्तव, एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता गण रहे।

कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन टीम ने मारी बाजी : खेल से अनुशासन, भाईचारा होता है मजबूत : सांसद सीमा द्विवेदी

आने वाले समय में आयोजन को और बेहतर बनाया जाएगा : डॉ उत्कर्ष द्विवेदी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/जौनपुर। अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल सीजन-2) के फाइनल मुकाबला कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन मुंगराबादशाहपुर और बरहदा प्रतापगढ़ के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन किया जिसमें अंततः कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन मुंगरा बादशाहपुर की टीम ने शानदार रणनीति और प्रदर्शन से खिताबी जीत हासिल की। मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी और बीएचयू के प्रो (डा) अरूण द्विवेदी ने विजेता, उप विजेता, मैन आफ द सिरीज, मैन आफ द मैच प्राप्त करने वाले खिलाडियों को सम्मानित किया।

सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए खिलाडियों और आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हार, जीत तो लगी रहती है लेकिन खेल को खेल की भावना से सदैव खेलना चाहिए इससे भाई चारा और प्रेम बढता है। उन्होंने खेल ना केवल हमें अनुशासन सिखाते हैं, बल्कि आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। आशा है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन हमारे युवाओं को मंच प्रदान करते रहेंगे।

सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने भव्य टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजक डॉ उत्कर्ष द्विवेदी, पंकज द्विवेदी, मिथुन मिश्रा और 'अचकारी प्रीमियर लीग कमेटी' के सभी ऊर्जावान सदस्यों को साधुवाद देती हूँ। उन्होंने हजारों की संख्या में आए खेल प्रेमियों का भी हृदय से आभार ज्ञापित किया, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति और शोर ने खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना कर दिया।आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ उत्कर्ष द्विवेदी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस आयोजन को और बेहतर बनाया जाएगा।

जेडी फाइनेंस, जेडी, एडी बेसिक, एडीआईओएस ने शिक्षकों को किया सम्मानित

समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : सीएल चौरसिया

शिक्षकों के हित में जारी रहेगा संघर्ष : प्रदेश संरक्षक डा हरिप्रकाश यादव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) ने प्रयागराज के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों (एडेड) में स्थानांतरण से आए शिक्षकों के सम्मान में आज केपी इंटर कॉलेज में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक (पत्राचार) सीएल चौरसिया थे जबकि अध्यक्षता महेंद्र कुमार सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक (अर्थ) ने की।

विशिष्ट अतिथि सतेंद्र सिंह अपर सचिव (प्रशासन), आरएन विश्वकर्मा संयुक्त शिक्षा निदेशक, संजय कुशवाहा एडी बेसिक, जितेंद्र प्रताप सिंह प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक, अजय गिरी, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, राजू यादव एवं मोहम्मद रफीक थे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा, प्रदेश संरक्षक डा हरिप्रकाश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा सहित प्रांतीय, मंडलीय एवं जनपदीय पदाधिकारी, वरिष्ठ शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। जिलाध्यक्ष देवराज सिंह एवं जिला मंत्री डीपी यादव ने बैज लगाकर तथा प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव, प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश पासी, प्रदेशीय आय व्यय निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश मीडिया प्रभारी सुधाकर ज्ञानार्थी, प्रदेशीय मंत्री तीर्थराज पटेल, संदीप शुक्ला, मंडलीय अध्यक्ष मिथलेश मौर्य व मंत्री लक्ष्मी नारायण सिंह ने पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र वर्मा ने किया।

अतिथियों ने स्थानांतरित शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान देकर सम्मानित किया । सम्मान पाकर शिक्षकों

में विशेष उत्साह एवं गौरव की अनुभूति दिखी। मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक (पत्राचार) सीएल चौरसिया ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्थानांतरण के बाद नए वातावरण में कार्य करना चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अवसर भी प्रदान करता है। जेडी फाइनेंस महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि संगठनात्मक एकता और सकारात्मक संवाद से ही शैक्षिक समस्याओं का समाधान संभव है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक आरएन विश्वकर्मा एवं प्रभारी विद्यालय निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने शिक्षकों से अनुशासन, निष्ठा एवं नवाचार के साथ शिक्षण कार्य करने की आह्वान किया। एडीआईओएस अजय गिरी ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र हित एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

एकजुट के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) सदैव शिक्षकों के सम्मान, अधिकार एवं हितों के लिए संघर्षरत रहा है। प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने संगठन की एकजुटता और भविष्य की कार्ययोजना पर अपने विचार रखे तथा स्थानांतरण के लिए किए गए संघर्षों को याद करते हुए शिक्षक हित में हर समय संघर्ष में कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही। कार्यक्रम का समापन जिला अध्यक्ष देवराज सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजकों ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे। इस मौके पर संगठन के जिला कार्यकारिणी सदस्य गार्गी श्रीवास्तव, आकांक्षा कुशवाहा, अमृता यादव, लालमणि यादव, अरुण कुमार, डॉ राजेश सिन्हा, आशीष गुप्ता, विजय प्रकाश विद्रोही, राधेश प्रताप, प्रकाश जायसवाल, विजय यादव, अनिल भारती, शांति विश्वकर्मा, विनोद यादव, दिनेश यादव, राजीव रंजन पटेल, रूप चंद्र गौतम, वीरेंद्र कुशवाहा, हरिश्चन्द्र, सुनील कुमार, समेत सैकड़ों शिक्षक साथी सम्मिलित हुए।

आजादी हेतु शहीद हुए प्रयागराज के 4 शहीदों को याद किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में आज के दिन ही 4 जनवरी को चार भारतीयों को घोड़े की टॉप से कुचल कुचल कर क्रूरता पूर्वक शहीद कर दिया गया था। आज उन्हें शहीदवॉल पर श्रद्धांजलि नमन कार्यक्रम संपन्न हुआ।पुलिस बैंड ने उनके सम्मान में राष्ट्र धुन बजायी। शहीदवॉल के संस्थापक वीरेन पाठक ने बताया कि आज के दिन वह क्रूर घटना घटी थी जिसके बाद यह कहावत प्रचलित हो गई कि क्या अंग्रेज हो। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी 1932 को आजादी के लिए शांतिपूर्वक एक जुलूस चौक से चला। बलोच रेजीमेंट और अंग्रेज अधिकारियों ने इसे सामने से रोक लियाऔर लेट जाने का आदेश दिया। जब आजादी चाहने वालों ने अंग्रेजों का आदेश मानने से इनकार कर दिया तो अंग्रेज अधिकारियों ने इन पर घोड़े चढ़ा दिए। घोड़े की टॉप से कुचल कुचल कर इन्हें इतना घायल कर दिया कि यह सभी भारत माता के लिए शहीद हो गए। आज यही 4 बलिदानियों नियामउल्ला, सूरज नारायण, सोहन लाल और हरनारायण की शहादत को सम्मान देने के लिए पुलिस बैंड ने राष्ट्र धुन बजायी तथा दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम को के के मिश्रा ने मुख्य रूप से सम्बोधित किया। उन्होने कहा कि हम देशवासियों को इन भारतीयों के बलिदान को याद रखते हुए, इनके सपनो का भारत बनाना है।

सद्विद्या ही समाधान एसजीव्हीपी का वार्षिक समारोह

शिक्षा यदि केवल सूचना दे, पर संस्कार न दे तो वह अधूरी है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/अहमदाबाद। एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा आयोजित विद्यालय का भव्य वार्षिक समारोह 'सद्विद्या ही समाधान' आज अत्यंत श्रद्धा, गरिमा एवं उत्साह के साथ अहमदाबाद गुरूकुल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वार्षिक उत्सव के साथ भारतीय शिक्षा, परंपरा, संस्कार, सेवा और समग्र विकास की जीवंत अभिव्यक्ति है, जिसमें विद्या को जीवन की समस्त समस्याओं का समाधान बताया गया है।

इस पावन अवसर पर देश के विख्यात संत, शिक्षाविद्, नीति-निर्माता एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को अलंकृत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, आध्यात्मिक प्रमुख एवं अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन, परम पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज की प्रेरक उपस्थिति ने सभी अतिथियों, गुरूकुल के अनेकों विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए एक आध्यात्मिक एवं नैतिक संबल प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन परम पूज्य माधवप्रियदासजी स्वामी, संस्थापक अध्यक्ष एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा किया गया। शिक्षा, संस्कार और सेवा को जीवन का आधार मानने वाले स्वामी जी के नेतृत्व में एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार भारतीय मूल्य-आधारित शिक्षा का एक सशक्त केंद्र है।

एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार का यह प्रयास स्पष्ट संदेश देता है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, संस्कार, करुणा, पर्यावरण चेतना एवं राष्ट्र-निर्माण का सशक्त माध्यम है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ भौतिक प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों का क्षरण देखने को मिलता है, वहीं एसजीव्हीपी जैसे संस्थान 'सद्विद्या' के माध्यम से समाज को संतुलित, संवेदनशील और संस्कारवान नागरिक प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।

यह वार्षिक समारोह निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, अभिभावकों के लिए विश्वास और समाज के लिए आशा का संदेश लेकर आया है। एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा आयोजित यह आयोजन शिक्षा, अध्यात्म और समाज सेवा के त्रिवेणी संगम के रूप में स्मरणीय रहेगा।

त्रिशला फाउंडेशन ने सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के साथ नववर्ष मनाया

सेरेब्रल पाल्सी है न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति : डॉ.अनिरुद्ध के पुरोहित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। त्रिशला फाउंडेशन की ओर से कर्नलगंज इंटर कॉलेज मैदान, जॉर्जटाउन में आज नववर्ष समारोह का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए समर्पित रहा, जिसमें बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अभिभावकों की सकारात्मक सहभागिता ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ न्यूरोसर्जन एवं सेरेब्रल पाल्सी विशेषज्ञ डॉ. अनिरुद्ध के पुरोहित हैदराबाद ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी कोई बीमारी नहीं बल्कि एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें सही समय पर उपचार, नियमित थैरेपी, सकारात्मक वातावरण एवं अभिभावकों के धैर्यपूर्ण सहयोग से बच्चों की क्षमताओं में आश्चर्यजनक सुधार संभव है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है। डॉ. पुरोहित ने अभिभावकों को यह भी समझाया कि निरंतर अभ्यास, प्यार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की कुंजी है।

कार्यक्रम के अंतर्गत पिकनिक, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं पारंपरिक बाटी-चोखा भोज का आयोजन किया गया। खेल गतिविधियों में अभिभावकों ने खो-खो, रस्सा कसी, लेमन रेस जैसे खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया, जबकि बच्चों द्वारा पासिंग पिलो, क्रॉल जलेबी रेस सहित

विभिन्न रोचक एवं क्षमतावर्धक खेलों में सहभागिता की गई।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जैन ने कहा कि हर बच्चा विशेष क्षमताओं के साथ जन्म लेता है और आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने एवं सही दिशा देने की होती है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों की तुलना दूसरों से ना करें, बल्कि उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों को भी उत्सव की तरह मनाएं। डॉ. जैन ने यह भी कहा कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि दिव्य बच्चों को सहानुभूति नहीं बल्कि सम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान की जाए। सभी खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्था के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जैन, सचिव वरिदमाला जैन एवं मुख्य अतिथि डॉ. अनिरुद्ध के. पुरोहित ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया । सचिव वरिदमाला जैन ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

दिल्ली की तरह भिवंडी शहर में बढ़ा प्रदूषण, सांस लेना हुआ मुश्किल, घुट रहा है दम

सांस तथा अन्य बीमारियों की चपेट में शहर के नागरिक

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिल्ली शहर की तरह भिवंडी में भी पूरा वायु मंडल प्रदूषित हो गया है। शहर और ग्रामीण इलाकों की सड़कों की हालत इस समय बेहद खराब है और गड्ढों से भरी सड़कों से उड़ती धूल ने भिवंडी के निवासियों और इस मार्ग पर यात्रा करने वाले नागरिकों को बीमारियों के मुंह में डाल दिया है। सड़कों से उड़ती धूल ने शहर और ग्रामीण इलाकों में वायु प्रदूषण बढ़ा दिया है, जिससे कई लोगों को खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने लगी है। शहर में अंजुर फाटा और कल्याण नाका के बीच सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है, इसलिए शहर में निर्माण कार्य पर हथौड़ा गिर रहा है। इस सड़क चौड़ीकरण कार्य के कारण बहुत अधिक धूल उड़ रही है और शहर में प्रदूषण पैदा हो गया है। इस बीच, शहर से सटे सड़कों, भिवंडी वाडा रोड, भिवंडी अंजुर फाटा चिंचोटी राजमार्ग, अंजुर फाटा ठाणे राजमार्ग, भिवंडी परोल राजमार्ग पर मरम्मत का काम चल रहा है, सड़क से बहुत अधिक धूल उड़ रही है। इस धूल के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाती है, कई लोगों को सावधानी से वाहन चलाना पड़ता है, जबकि इस उड़ती धूल से कई लोगों को खांसी और सांस की बीमारियां हो रही हैं, इसलिए नागरिकों को सड़क पर यात्रा करते समय बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है।

भिवंडी में स्वीप टीम द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया 2025-2026 के तहत शहर में मतदाता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वीप (सिस्टेमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) टीम की ओर से धामणकर नाका स्थित पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव हाईस्कूल में मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे तथा स्वीप कक्ष के नोडल अधिकारी श्रीकांत परदेशी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों और महिला पालक वर्ग के साथ मतदान की शपथ दिलाई गई। इसके बाद पथनाट्य के माध्यम से मतदान के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे महिला मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाई जा सके। कार्यक्रम के दौरान सहायक नोडल अधिकारी कल्पना तलपाडे और राहुल नाडेकर ने अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सुधीर घागस, उपाध्यक्ष अरुणा जाधव सहित स्वीप पथक के कर्मचारी पंडित केणे, सुबोध जाधव, धनश्री मेस्त्री, लिना तारे, पंकजकुमार राऊत, सनी ओव्हाल और विकी जाधव उपस्थित रहे और सक्रिय सहभाग लिया।कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

भिवंडी में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प, 23 लोगों पर मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी मनपा आगामी चुनाव के मद्देनजर शहर में राजनीतिक माहौल गरमा गया है।जिसके तहत शनिवार शाम करीब 7:30 बजे भंडारी चौक (नारपोली) इलाके में प्रचार के दौरान कांग्रेस और भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस हिंसक झड़प के बाद दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर पुलिस ने कुल 23 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के भंडारी कंपाउंड इलाके में मनपा के प्रभाग क्रमांक 20 ड में कुल छह उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे है।जहां पर भाजपा ,कांग्रेस,राकांपा(अजित)व राकांपा शरद के बीच चौत्कोणीय मुकाबला है।पुलिस के अनुसार चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा व कांग्रेस के उम्मीदवार शनिवार की शाम 7.30 बजे अचानक एक दूसरे के सामने आ गए।जिसके बाद दोनों एक दूसरे पर टूट पड़े।इस मारपीट के दौरान हुई पत्थरबाजी में कुल चार लोगों को मामूली चोटे आई है।भाजपा उम्मीदवार यशवंत टावरे की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने कांग्रेस उम्मीदवार जितेंद्र पाल, राज यादव, धर्मेंद्र पाल सहित 12 नामजद और 30 से 35 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार जितेंद्र पाल की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने यशवंत टावरे, रुपम टावरे, योगेश टावरे सहित 11 नामजद और 4 से 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।पुलिस ने बताया कि जांच में यह बात सामने आया है कि कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा निकाली गई प्रचार रैली बिना अनुमति के थी। इतना ही नहीं, कांग्रेस उम्मीदवार का कार्यालय भी बिना आधिकारिक अनुमति के संचालित किया जा रहा था।चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर के मार्गदर्शन में उड़न दस्ते के कर्मचारी संदीप चव्हाण ने आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में कांग्रेस उम्मीदवार जितेंद्र पाल के खिलाफ भोईवाड़ा पुलिस में एक और मामला दर्ज कराया है।जबकि कांग्रेस उम्मीदवार पाल का आरोप है कि जानबूझ कर सत्ता की धौंस दिखाकर उनके ऊपर केस किए जा रहे है।

भिवंडी महानगरपालिका में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि

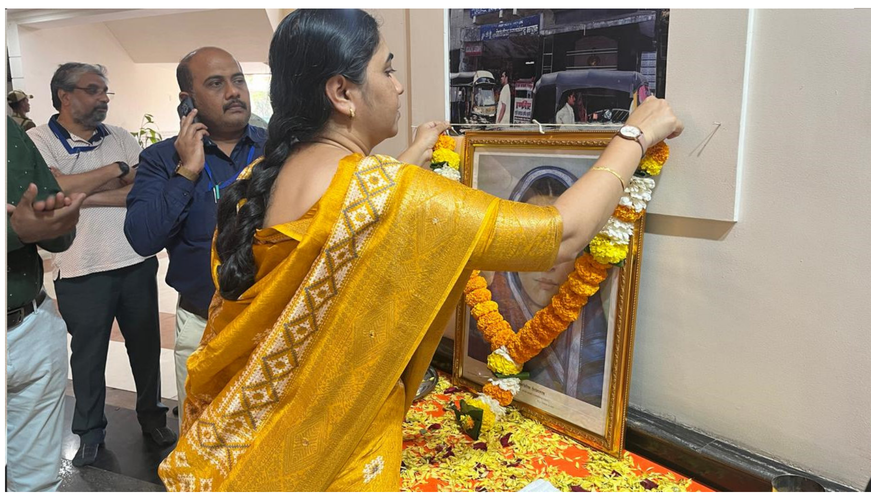

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29 दिसंबर 2025 के परिपत्र के अनुसार तथा महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित समारोह में आस्थापना विभाग प्रमुख कल्याणी चन्ने के हस्ते सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने 'चूल और मूल' जैसी संकीर्ण सोच को तोड़ते हुए महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखी। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने की राह दिखाई, जिससे आधुनिक युग में महिलाओं की संपूर्ण जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। भारत की पहली शिक्षिका और पहली प्रधानाध्यापिका के रूप में सावित्रीबाई फुले का योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा।कार्यक्रम में सहायक आयुक्त (चुनाव) नितीन पाटील, चुनाव विभाग प्रमुख अजित महाडिक, मार्केट विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, बारानिशी विभाग प्रमुख सुरेख पावडे, क्रीड़ा विभाग प्रमुख निहाला मोमीन सहित महानगरपालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संभल में प्रशासन का बड़ा एक्शन, अवैध मस्जिद और मदरसे पर चला बुलडोजर; एक मस्जिद ग्रामीणों ने खुद ढहाई

संभल। संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र में रविवार को प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। भारी पुलिस बल और तीन बुलडोजरों के साथ पहुंची टीम ने सरकारी जमीन पर बने एक मदरसे और एक मस्जिद को जमींदोज कर दिया। वहीं, एक अन्य मामले में ग्रामीणों ने प्रशासन के पहुंचने से पहले ही खुद हथौड़ों से अवैध मस्जिद को तोड़कर मलबा कर दिया।

जब बुलडोजर पहुंचने से पहले ही टूट गई मस्जिद

सबसे चौंकाने वाला मामला हाजीपुर गांव का है। यहां 1339 वर्ग मीटर (करीब डेढ़ बीघा) सरकारी जमीन पर अवैध रूप से मस्जिद बनाई गई थी। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह जब टीम के साथ वहां पहुंचे, तो मस्जिद की जगह सिर्फ मलबा मिला। कार्रवाई के डर से ग्रामीणों ने रातभर हथौड़े और छेनी चलाकर मस्जिद को खुद ही ढहा दिया।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

तहसीलदार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि लोगों को सद्बुद्धि आई और उन्होंने खुद अवैध निर्माण हटा लिया। प्रशासन ने 3 घंटे की मेहनत के बाद वहां से सारा मलबा साफ कराया।

मदरसा और दूसरी मस्जिद पर चला 'पीला पंजा'

हाजीपुर गांव में ही मस्जिद से 500 मीटर दूर 1500 वर्ग मीटर जमीन पर बने एक मदरसे को प्रशासन ने तीन बुलडोजरों की मदद से ढहा दिया। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि मदरसे के नाम पर कब्जा कर वहां दुकानें बनाई गई थीं और किराया वसूला जा रहा था।

राया बुजुर्ग में कार्रवाई

गांव हाजीपुर से 11 किमी दूर राया बुजुर्ग में भी एक अवैध मस्जिद को दो बुलडोजरों से तोड़ा गया। यह मस्जिद भी सरकारी जमीन पर बनी थी और हाईकोर्ट से अपील खारिज होने के बाद यह एक्शन लिया गया।

हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, लगा भारी जुर्माना

डीएम राजेंद्र पेंसिया के मुताबिक, इन संपत्तियों के खिलाफ तहसीलदार कोर्ट से काफी पहले ही ध्वस्तीकरण के आदेश हो चुके थे। मस्जिद और मदरसा कमेटियां हाईकोर्ट भी गई थीं, लेकिन वहां से भी उनकी अपील खारिज कर दी गई।

जुर्माने की कार्रवाई

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कुल 58 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जिसमें से मस्जिद के मुतवल्ली पर अकेले 8.78 लाख रुपए का जुर्माना है।

खाली जमीन पर बांटे गए पट्टे

कार्रवाई के तुरंत बाद प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया। डीएम और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने मौके पर ही 20 चयनित लाभार्थियों को उस जमीन के पट्?टे सौंप दिए, जहां से अवैध कब्जा हटाया गया था। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके में ड्रोन से निगरानी की गई और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

अपराध शाखा ठाणे की बड़ी कार्रवाई...

हत्या के प्रयास मामले का फरार आरोपी भिवंडी से गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। अपराध शाखा, ठाणे ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी को भिवंडी से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर अंजाम दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संबंधित पुलिस थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी वारदात के बाद से फरार था। अपराध शाखा की विशेष टीम ने जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन ट्रैकिंग सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। साथ ही गुप्तबातमीदारों को सक्रिय किया गया, जिनसे मिली पुख्ता जानकारी में आरोपी के भिवंडी क्षेत्र में छिपे होने की पुष्टि हुई। सूचना के आधार पर अपराध शाखा की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से भिवंडी में जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस थाने के हवाले कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से गंभीर अपराधों में शामिल आरोपियों के खिलाफ पुलिस की सतर्कता और तकनीकी दक्षता एक बार फिर साबित हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और शीतलहर का डबल अटैक कोहरे की चादर में लिपटी राजधानी, 'बहुत खराब' हुई हवा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर जारी है। रविवार सुबह दिल्लीवासी ठंडी, बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के बीच उठे। कोहरे के कारण शहर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। हालांकि, शहर के कई हॉटस्पॉट्स पर हालात इससे कहीं ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। राजधानी के मुख्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। आनंद विहार (350), रोहिणी (361), चांदनी चौक (355) और मुंडका (329) जैसे इलाकों में सांस लेना दूभर हो गया है। इसके विपरीत, ण्घ्ढ द्वारका और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में हवा थोड़ी बेहतर रही, जहां एक्यूआई 177 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है।

प्रदूषण और स्मॉग की इस धुंध के बावजूद, इंडिया गेट पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां ज़ोर-शोर से जारी हैं। जवानों का अभ्यास और अन्य तैयारियां कोहरे के बीच भी थमी नहीं हैं। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 18 से 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। ठंड और धुंध का यह सिलसिला फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। उत्तर और मध्य भारत के लिए भी मौसम विभाग ने 'शीतलहर' का अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने और घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो 5 और 6 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 6 जनवरी को बारिश के आसार हैं।

घर से बैंक के लिए निकला था युवक, लायन्स पॉइंट पर 700 फीट गहरी खाई में गिरा, शव बरामद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के लोनावला क्षेत्र से एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है. परेश सूर्यकांत हटकर नाम का एक शख्स, जो घर से बैंक जाने के लिए निकला था, उनका शव लोनावला के लायन्स पॉइंट पर लगभग 700 फीट गहरी खाई में मिला है. पुलिस और रेस्क्यू टीम ने खाई में उतरकर शव को बाहर निकाला. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह हादसा था या कोई घातक घटना हुई है।

लापता होने की मिली सूचना

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (2 जनवरी) की सुबह लगभग 9 बजे परेश हटकर घर से बैंक ऑफिस जाने के लिए निकले थे, लेकिन वे घर वापस नहीं लौटे. उनकी लापता होने की शिकायत शनिवार (3 जनवरी) की सुबह पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई। पुलिस को सूचना मिली कि उनकी कार लायन्स पॉइंट पर खड़ी है. पुलिस ने राहत और बचाव टीम के साथ तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया. शव की तलाश में शिवदुर्ग रेस्क्यू टीम ने रस्सी की मदद से खाई में लगभग 700 फीट नीचे उतरकर खोजबीन की।

शव बरामद और रेस्क्यू का काम

शिवदुर्ग रेस्क्यू टीम ने पुलिस और मृतक के परिवार की मदद से शव को खाई से बाहर निकाला। यह काम कई कठिनाइयों के बावजूद पूरा किया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस ने फिलहाल शव मिलने की स्थिति और शव के आसपास के सबूतों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश शुरू कर दी है कि परेश हटकर खाई में कैसे गिरे. क्या यह हादसा था या कोई घातक घटना हुई, इसकी जांच जारी है।

मृतक के बारे में जानकारी

मृतक परेश सूर्यकांत हटकर 38 साल के थे और सकाळनगर, बाणेर रोड, पुणे के निवासी थे। वे बैंक ऑफ इंडिया में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे. परिवार और सहकर्मी उनके अचानक लापता होने और इस दुखद घटना से सदमे में हैं।

उनकी आखिरी मोबाइल लोकेशन और गाड़ी लायन्स पॉइंट पर मिलने के कारण पुलिस ने यही क्षेत्र तलाशी के लिए चुना. लोनावला ग्रामीण पुलिस ने शव मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है. पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और रेस्क्यू टीम, परिवार और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटा रही है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्महत्या, हादसा या किसी और प्रकार की घटना थी।

एशेज सिडनी टेस्ट : जो रूट की शानदार पारी सचिन तेंदुलकर के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के बेहद करीब

सिडनी **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पांचवें एशेज टेस्ट के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास के बेहद करीब कदम बढ़ा दिया है। सिडनी में खेले जा रहे इस मुकाबले में रूट ने 72 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट अर्धशतकों के रिकॉर्ड को चुनौती दे दी है। जो रूट ने इस पारी के साथ अपने टेस्ट करियर का 67वां अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल (66 अर्धशतक) को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 68 टेस्ट अर्धशतक दर्ज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो जो रूट की निरंतरता बेहद खास रही है। सचिन तेंदुलकरः 200 टेस्ट, 68 अर्धशतक, 51 शतक, जो रूटः 163 टेस्ट, 67 अर्धशतक, 40 शतक। रूट ने कम मैचों में यह मुकाम हासिल किया है और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह जल्द ही तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी या उसे पार कर सकते हैं।

अर्धशतक के रिकॉर्ड के अलावा जो रूट एक और ऐतिहासिक उपलब्धि के बेहद करीब हैं। अगर वह इस टेस्ट मैच में 151 रन और बना लेते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 14, 000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल इस खास क्लब में सिर्फ सचिन तेंदुलकर ही शामिल हैं।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत साधारण रही, लेकिन नंबर चार पर उतरे जो रूट ने पारी को मजबूती दी। उन्होंने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 154 रनों की शानदार साझेदारी की।

35 साल के हो चुके रूट ने संयमित अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 103 गेंदों पर 72 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। वहीं ब्रूक ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल था।

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 211 रन बना लिए थे। क्रीज पर जो रूट (72) और हैरी ब्रूक (78) नाबाद लौटे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ इंग्लैंड ने मजबूत स्थिति बना ली है और दूसरे दिन टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ने का प्रयास करेगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 : 45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स ग्रैंड स्लैम खेलने को तैयार

न्यूयॉर्क/ऑकलैंड **(एजेंसी)**। सात बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन वीनस विलियम्स ने साफ कर दिया है कि 45 साल की उम्र में भी उनके अंदर टेनिस खेलने की वही आग मौजूद है। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से पहले वीनस ने कहा कि वह सिर्फ खेलने के लिए नहीं, बल्कि अच्छे स्तर का टेनिस दिखाने के इरादे से कोर्ट पर उतर रही हैं। वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला है और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। मेलबर्न में वह पांच साल बाद वापसी कर रही हैं, हालांकि इस रिकॉर्ड के बारे में उन्हें पहले जानकारी नहीं थी।

वीनस ने कहा कि अब उनका नजरिया पहले जैसा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, 'अब मैं रिकॉर्ड्स के पीछे नहीं भागती। मेरा लक्ष्य खुश रहना है और खुद को चुनौती देना है। असहज परिस्थितियों को अपनाना ही चैंपियंस की पहचान होती है।' उन्होंने आगे जोड़ा कि इतनी लंबी दूरी तय कर टूर्नामेंट खेलने आने का मतलब ही है कि उनके भीतर अब भी जीतने की भूख मौजूद है। 'मैं आधी दुनिया पार करके यहां सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं आती। मेरे अंदर अब भी वही जुनून है।' वीनस का मानना है कि टेनिस उन्हें शारीरिक रूप से फिट रखने में मदद करता है। 'टेनिस बहुत कैलोरी बर्न करता है और यह शानदार फिटनेस देता है। अगर फिट रहना है, तो खेलते रहना होगा।' पांच बार की विंबलडन चैंपियन वीनस इससे पहले 2003 और 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स फाइनल खेल चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने बहन सेरेना विलियम्स के साथ चार बार ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स का खिताब भी जीता है। वीनस का आखिरी टूर्नामेंट अगस्त में यूएस ओपन था, जहां वह 16 महीने के लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं। अब ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले वह ऑकलैंड और होबार्ट में होने वाले वॉर्म-अप टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेंगी, ताकि मैच प्रैक्टिस की कमी को दूर किया जा सके।

ऑकलैंड में मीडिया से बात करते हुए वीनस ने कहा, 'मेरे पास अनुभव बहुत है, लेकिन इस ड्रॉ में शायद मैंने सबसे कम मैच खेले हैं। मुझे शुरुआत से ही तेज खेल दिखाना होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि टेनिस की खूबसूरती यही है कि मैच लंबे होते हैं और खिलाड़ी को खुद को संभालने का मौका मिलता है। ऑकलैंड ओपन में वीनस का पहला मुकाबला सोमवार को पोलैंड की पांचवीं वरीयता प्राप्त और दुनिया की 54वें नंबर की खिलाड़ी मैग्डा लिनेट से होगा। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या 45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और यादगार अध्याय जोड़ पाएंगी।

मुस्ताफिजुर विवाद के बाद बांग्लादेश का बड़ा फैसला टी20 विश्व कप के लिए टीम नहीं आएंगी भारत

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपने स्टार तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने के लिए दी गई एनओसी को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। बोर्ड की अधिकारियों की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें सुरक्षा कारणों को प्रमुख आधार माना गया। इसका मतलब है कि केकेआर का फैसला बदलने के बावजूद बीसीबी मुस्ताफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं देगा। बीसीबी पहले आईसीसी और बीसीसीआई को पत्र भेजकर सुरक्षा स्थिति का आकलन कर रहा था, लेकिन बोर्ड की आपात बैठक में यह तय हुआ कि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश भारत नहीं जाएगा। बोर्ड के अनुसार, अगर एक खिलाड़ी भारत में सुरक्षित नहीं है, तो पूरी टीम के लिए खेलना जोखिम भरा हो सकता है।

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि टीम की सुरक्षा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि टी20 विश्व कप मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए आईसीसी से संपर्क करें। उन्होंने यह भी कहा कि बोर्ड को आईसीसी को पूरी जानकारी देनी चाहिए और जहां एक खिलाड़ी सुरक्षित नहीं है, वहां पूरी टीम भी सुरक्षित नहीं रह सकती।

बीसीसीआई के निर्देशों के बाद केकेआर ने मुस्ताफिजुर को आईपीएल 2026 टीम से रिलीज कर दिया। उन्हें पिछले महीने हुए आईपीएल ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। हाल के दिनों में भारतीय आध्यात्मिक और राजनीतिक नेताओं की ओर से इस चयन को लेकर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश को अगले महीने टी20 विश्व कप में अपने पहले तीन मैच कोलकाता में खेलने हैं। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि बोर्ड आईसीसी को पत्र लिखकर खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखेगा।

फुटबॉल जगत में शोक, बुल्गारिया के महान फुटबॉल खिलाड़ी और कोच का निधन

सोफिया **(एजेंसी)**। बुल्गारिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बुल्गारियाई फुटबॉल यूनियन ने उनके निधन की पुष्टि की। पेनेव वही कोच थे जिनकी अगुआई में बुल्गारिया की राष्ट्रीय टीम ने 1994 फीफा विश्व कप में चौथा स्थान हासिल किया था, जो आज तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जाता है।

दिमितार पेनेव के निधन पर बुल्गारिया के फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और कोचों ने शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही देश के निवर्तमान प्रधानमंत्री रोसेन ज़ेल्याज़कोव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। फुटबॉल जगत में उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें एक महान खिलाड़ी और प्रेरणादायी कोच बताया।

बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, 'वह व्यक्ति जिसने हमें दुनिया में चौथा स्थान दिलाया। वह व्यक्ति जिसने हममें से दर्जनों लोगों को इंसान और एथलीट के रूप में गढ़ा। शांति से आराम करें, बॉस। आपको कभी नहीं भुलाया जाएगा।'

दिमितार पेनेव ने अपने खेल करियर में सीएसकेए सोफिया के लिए 13 वर्षों तक खेला और उन्हें बुल्गारिया के शीर्ष सेंटर-बैक खिलाड़ियों में गिना जाता था। उन्होंने 1966, 1970 और 1974 के फीफा विश्व कप में बुल्गारिया का प्रतिनिधित्व किया। पेनेव ने कुल 90 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और दो बार 'बुल्गारियाई फुटबॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान हासिल किया।

आम्रपाली ग्रुप ईडी के शिकंजे में जब्त की 99 करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम्रपाली ग्रुप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 99 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय द्वारा की गई है। लंबे समय से फ्लैट खरीदारों को घर न देने और पैसों के दुरुपयोग के आरोपों से घिरे आम्रपाली मामले में इसे पीड़ित खरीदारों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

ईडी ने यह जांच दिल्ली पुलिस, नोएडा पुलिस और ईओडब्ल्यू दिल्ली में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के 23 जुलाई 2019 के आदेश के अनुपालन में भी की जा रही है, जो आम्रपाली मामले में गृह खरीदारों की याचिकाओं से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि खरीदारों से बड़ी रकम लेने के बावजूद फ्लैटों का निर्माण पूरा नहीं किया गया और पैसों का अन्य कार्यों में दुरुपयोग किया गया। ईडी ने मौर्या उद्योग लिमिटेड के कार्यालय, फैक्ट्री की जमीन और भवन को कुर्क किया है। मौर्या उद्योग लिमिटेड, सुरेका समूह की इकाई है, जिसके प्रवर्तक नवनीत सुरेका और अखिल सुरेका हैं। एजेंसी के अनुसार, 30 दिसंबर 2016 तक इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 99.26 करोड़ रुपए आंका गया है। ईडी की जांच में आरोप है कि आम्रपाली ग्रुप के निदेशक अनिल कुमार शर्मा, शिव प्रिया और अजय कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर खरीदारों के पैसे का दुरुपयोग किया। टीएमटी बार और निर्माण सामग्री की खरीद के नाम पर फर्जी लेन-देन, शेल कंपनियों और नकली सप्लायरों के जरिए पैसा घुमाने, नकद निकासी करने और अपराध से अर्जित आय को छिपाने के आरोप लगाए गए हैं।

सिगरेट पीने वालों को झटका! अब लंबाई के हिसाब से बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आप धूम्रपान के शौकीन हैं तो आने वाला महीना आपकी जेब पर भारी पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने तंबाकू उत्पादों विशेषकर सिगरेट पर लगने वाले टैक्स ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव किया है। 1 फरवरी 2026 से सिगरेट की कीमतें ब्रांड के साथ-साथ उसकी लंबाई के आधार पर तय होंगी। साल 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद तंबाकू टैक्स के क्षेत्र में यह अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। सरकार ने स्पेसिफिक सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी को फिर से प्रभावी तरीके से लागू करने का फैसला किया है। अब प्रति 1, 000 सिगरेट स्टिक के आधार पर टैक्स वसूला जाएगा।

हालांकि सरकार ने कंपेंसेशन सेस हटाया है लेकिन नई एक्साइज ड्यूटी जुड़ने के बाद सिगरेट की कुल कीमत का लगभग 53इ हिस्सा केवल टैक्स होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि तंबाकू उत्पादों को महंगा करना उन्हें छोड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है। सरकार चाहती है कि बढ़ती कीमतों के कारण लोग धूम्रपान कम करें। वैश्विक मानकः डब्ल्यूएचओ की सिफारिश है कि तंबाकू की कीमत का 75इ हिस्सा टैक्स होना चाहिए। भारत अब धीरे-धीरे इसी लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। राजस्व में वृद्धिः इस नए टैक्स ढांचे से सरकारी खजाने में बड़ी राशि जमा होगी जिसका इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की सेहत में सुधार डेमियन मार्टिन कोमा से आए बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। मेनिन्जाइटिस से पीड़ित मार्टिन को डॉक्टरों ने कुछ दिन पहले कृत्रिम कोमा में रखा था, लेकिन अब वह कोमा से बाहर आ चुके हैं और उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है। 54 वर्षीय मार्टिन फिलहाल गोल्ड कोस्ट के अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने उनकी सेहत को लेकर अहम जानकारी साझा की है। गिलक्रिस्ट के मुताबिक, डेमियन मार्टिन अब बात कर पा रहे हैं और इलाज का सकारात्मक असर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कोमा से बाहर आने के बाद मार्टिन की रिकवरी बेहद शानदार रही है, जिसे उनका परिवार किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहा।

गिलक्रिस्ट ने यह भी बताया कि डॉक्टर जल्द ही उन्हें आईसीयू से अस्पताल के दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर सकते हैं, जो उनकी तेज रिकवरी का संकेत है। उन्होंने फेसटाइम पर मार्टिन से बात करने का जिक्र करते हुए कहा कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, थोड़े सुस्त और थके हुए जरूर हैं, लेकिन हालात को समझने लगे हैं और संवाद कर रहे हैं।

डेमियन मार्टिन की पत्नी अमांडा ने भी उनकी सेहत को लेकर अपडेट देते हुए बताया कि वह तेजी से बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम के प्रति गहरा आभार जताया, जिनके प्रयासों से यह सुधार संभव हो पाया है।

डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद मध्यक्रम बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4, 406 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 46.37 रहा। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 208 मैचों में 5, 346 रन बनाए और उनका औसत 40.90 रहा, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 144 नाबाद रहा।

मार्टिन ऑस्ट्रेलिया की 1999 और 2003 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। खासतौर पर 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने टूटे हुए उंगली के साथ 88 रन की नाबाद पारी खेली थी और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की ऐतिहासिक साझेदारी कर टीम को खिताब दिलाया था। इसके अलावा वह 2006 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्होंने कुछ समय तक कमेंट्री भी की।

नवंबर में भारत कोयला आयात बढ़ा आने वाले महीनों में गिरावट की संभावना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत का कोयला आयात नवंबर में 28.1 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि घरेलू संसाधनों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आने वाले महीनों में इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस्पात कंपनी सेल और टाटा स्टील के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली, जो एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है।

आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 में आयात सालाना आधार पर बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर 2024 में 1.95 करोड़ टन था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, नवंबर में आयात की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों के भंडार को फिर से तैयार करने के कारण हुई। इसके अलावा, कुछ खरीदारों ने नई पोजीशन ली क्योंकि समुद्र के रास्ते आने वाले कोयले की कीमतें कमजोर बनी हुई थीं। हालांकि, आने वाले महीनों में हम घरेलू उपलब्धता बढ़ने के कारण आयात में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं।

नवंबर 2025 के कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोल का आयात 1.42 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह आंकड़ा 1.23 करोड़ टन था। समीक्षाधीन अवधि में कोकिंग कोल का आयात 65 लाख टन रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में कोयला आयात बढ़कर 18.61 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 18.20 करोड़ टन था।

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने स्टेबिन बेन से की सगाई, दिल छू लेने वाली पोस्ट में हीरे की अंगूठी दिखाई

शादी की अफवाहों के बीच, एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन और एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने आखिरकार अपने रिश्ते को पब्लिक कर दिया है। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और सिंगर स्टेबिन बेन के एक सपनों जैसे प्रपोज़ल में 'हां' कहा। नूपुर ने प्रपोज़ल की तस्वीरें पोस्ट करके यह खबर शेयर की। तस्वीरों में कृति सेनन भी अपनी बहन और होने वाले जीजा को गले लगाते हुए दिख रही हैं। तस्वीरों में कपल सेनन के माता-पिता को वीडियो कॉल करते हुए भी दिख रहा है।

नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में, स्टेबिन बेन घुटनों पर बैठकर नूपुर को प्रपोज़ करते हुए दिख रहे हैं, उनके पीछे 'विल यू मैरी मी' लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में नूपुर अपनी अंगूठी दिखा रही हैं। एक तस्वीर में कृति सेनन नूपुर और स्टेबिन को गले लगाते हुए दिख रही हैं। हालांकि कृति का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन यह 'तेरे इश्क में' एक्ट्रेस ही लग रही हैं।

नूपुर ने अपने माता-पिता को किए गए वीडियो कॉल की एक तस्वीर भी शेयर की। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नूपुर ने लिखा, 'शायद से भरी दुनिया में, मुझे सबसे आसान 'हां' मिल गया जो मुझे कभी कहना पड़ा।'

सगाई एक यॉट पर हुई, शायद मुंबई में। इस खास पल के लिए, नूपुर ने एक खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस पहनी थी, जबकि स्टेबिन नीले सूट में दिखे।

नूपुर और स्टेबिन की शादी की खबरें काफी समय से चल रही हैं और ऐसा लगता है कि नूपुर और स्टेबिन 11 जनवरी को उदयपुर में शादी कर सकते हैं। शादी एक प्राइवेट फंक्शन होने की उम्मीद है और कथित तौर पर बाद में मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन भी प्लान किया गया है।

हालांकि, न तो परिवार और न ही कपल ने अभी तक शादी की अफवाहों के बारे में कोई ऑफिशियल बयान जारी किया है। लेकिन यह प्रपोज़ल अब उनकी शादी के बारे में अटकलों को और हवा दे रहा है।

जय भानुशाली -माही विज का चौंकाने वाला तलाक कहा- 'हमारी इस कहानी में कोई खलनायक नहीं है'

टेलिविजन की दुनिया से पॉपुलर हुए एक्टर्स माही विज और जय भानुशाली को फैंस से हमेशा खूब प्यार मिला है। काफी समय से अटकलें लग रही थी कि कपल की शादी टूटने वाली है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कपल्स ने अपने फैंस को चौंका दिया। माही विज और जय भानुशाली ने 16 साल की शादी के बाद अलग होने की घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर कपल्स ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि भले ही वे अलग हो गए हैं, लेकिन वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगे और खासकर अपने तीन बच्चों - तारा, खुशी और राजवीर के लिए। बयान में कहा गया, 'आज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला करते हैं, फिर भी हम एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे।

सोशल मीडिया पर जय भानुशाली और माही विज की तरफ से शेयर किए गए पोस्ट में लिखा है, 'आज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला कर रहे हैं। फिर भी, हम हमेशा एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे। शांति, विकास, दयालु होना और मानवता हमेशा से हमारे मार्गदर्शक रहेंगे। अपने बच्चों तारा, खुशी और राजवीर के लिए हमेशा सबसे अच्छे पेरेंट्स, बेस्ट फ्रेंड बनने और उनके लिए जो भी सही होगा वो करेंगे।'

आगे पोस्ट में लिखा है- 'हालांकि हम अलग-अलग रास्ते पर चल रहे हैं, लेकिन इस कहानी में कोई विलेन नहीं है और इस फैसले से कोई नेगेटिविटी जुड़ी नहीं है। कोई भी नतीजा निकालने से पहले, कृपया जान लें कि हम ड्रामा से ज्यादा शांति और सबसे ऊपर समझदारी को चुनते हैं। हम हमेशा की तरह एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे, एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहेंगे और दोस्त बने रहेंगे। आपसी सम्मान के साथ, हम आगे बढ़ते हुए आपसे भी सम्मान, प्रेम और दया की कामना करते हैं। - मही विज और जय भानुशाली'।

आपको बता दें कि, माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में एक दूसरे से शादी कर ली थी। शादी के बाद साल 2019 में कपल ने बेटी खुशी और बेटे राजवीर को गोद लिया। साल 2021 में माही ने बेटी तारा को जन्म दिया था। शादी के करीब 14 साल बाद ये जोड़ी अलग हो गई है।

विकास और भरोसे की राजनीति को मिल रहा समर्थन

वार्ड 110 : बदलाव के मूड में मतदाता

दिव्यांश

मुंबई। मुंबई महानगर पालिका चुनाव की सरगर्मियों के बीच वार्ड क्रमांक 110 इस समय राजनीतिक विश्लेषकों और दलों के लिए खास दिलचस्पी का केंद्र बना हुआ है। ज़मीनी हालात, मतदाताओं से बातचीत और क्षेत्र में उभरते संकेत यह साफ दर्शा रहे हैं कि इस वार्ड में चुनावी मुकाबला अब केवल दलों के बीच नहीं, बल्कि पुरानी कार्यशैली और नए विकास मॉडल के बीच है।

स्थानीय मतदाताओं से की गई बातचीत और क्षेत्रीय रुझानों पर आधारित ओपिनियन ट्रेंड यह संकेत देता है कि वार्ड 110 में मतदाता इस बार बुनियादी मुद्दों पर ठोस काम करने वाले नेतृत्व को प्राथमिकता देने के मूड में हैं।

स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका में

पानी की अनियमित आपूर्ति, जर्जर सीवर लाइनें, बारिश में जलभराव, टूटी सड़कें और सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं – ये मुद्दे वर्षों से वार्ड 110 की पहचान बन चुके हैं। इस बार मतदाता इन्हीं समस्याओं के स्थायी समाधान को लेकर गंभीर दिखाई दे रहे हैं।

मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि योजना, निगरानी और जवाबदेही की राजनीति चाहिए।

जेनी शर्मा : उभरता हुआ विकास-केंद्रित चेहरा

भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती जेनी शर्मा इस माहौल में एक ऐसे चेहरे के रूप में उभरी हैं, जो विकास, पारदर्शिता और निरंतर संवाद की बात करती हैं। क्षेत्र में उनके अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे मुद्दों से बचने के बजाय सीधे उन पर बात करती नजर आती हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं – विशेषकर लाडली बहनों – और युवाओं में उनके प्रति सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। महिलाएं उन्हें योजनाओं की जानकारी और समाधान से जोड़कर देख रही हैं, जबकि युवा वर्ग रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार के उनके एजेंडे से खुद को जुड़ा महसूस कर रहा है।

ओपिनियन ट्रेंड क्या कहता है?

स्थानीय स्तर पर किए गए अनौपचारिक ओपिनियन ट्रेंड और बातचीत के आधार पर:

महिला मतदाता विकास योजनाओं और सीधे संवाद के कारण सत्तापक्ष के प्रति झुकाव दिखा रही हैं

युवा मतदाता रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर स्पष्ट रुख चाहते हैं

वरिष्ठ नागरिक जलभराव, स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क सुधार जैसे रोज़मर्रा के मुद्दों को निर्णायक मान रहे हैं

इन तीनों वर्गों में एक साझा भावना उभरती दिख रही है – अब प्रतिनिधि जवाबदेह होना चाहिए।

पारदर्शिता बनाम असंतोष

वार्ड 110 में पिछले कार्यकाल को लेकर एक वर्ग में असंतोष भी दिखता है, खासकर विकास कार्यों की गुणवत्ता और फंड उपयोग को लेकर। ऐसे में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख रखने वाले उम्मीदवार को बढ़त मिलती नजर आ रही है।

जेनी शर्मा द्वारा सभी विकास कार्यों को सार्वजनिक करने और जनसंपर्क को निरंतर बनाए रखने की बात इस असंतोष को अपने पक्ष में मोड़ती दिख रही है।

चुनाव का मिज़ाज

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो वार्ड 110 का चुनाव भावनात्मक नारों से ज्यादा परफॉर्मेंस और परसेप्शन पर टिका हुआ है। मतदाता अब यह देखना चाहता है कि कौन जमीन पर दिखाई देता है और कौन केवल चुनाव के समय।

निष्कर्ष : मुकाबला कड़ा, लेकिन रुझान स्पष्ट

ओपिनियन ट्रेंड यह संकेत दे रहा है कि वार्ड 110 में इस बार चुनावी मुकाबला कड़ा जरूर है, लेकिन विकास, पारदर्शिता और जनसंपर्क को लेकर स्पष्ट एजेंडा रखने वाले उम्मीदवार को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है।

अंततः फैसला मतपेटी में बंद होगा, लेकिन फिलहाल वार्ड 110 के मतदाताओं का संदेश साफ है–

'अब वादों से नहीं, काम से पहचान बनेगी।'

बिहार कांग्रेस ने सात नेताओं को किया बाहर, 36 पर लटकी तलवार, बागियों को बख्शने के मूड में नहीं है पार्टी

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के विधानसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब एक्शन के मूड में है। महागठबंधन में रहकर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 6 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई थी। इस खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने अनुशासनात्मक समिति बनाई थी।

इस समिति ने अब तक सात नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया है और 36 अन्य नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन सभी पर अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस ने जिन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है उनमें से अधिकतर ऐसे हैं जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने इन नेताओं पर टिकट देने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। बिहार में वोटिंग से ठीक पहले भी 18 अक्टूबर को कांग्रेस के कई नेताओं ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और इसमें गंभीर आरोप लगाए थे। इन नेताओं ने कहा था कि टिकट के बदले पैसे लिए गए हैं। इस वजह से कांग्रेस की काफी किरकिरी हुई थी। ऐसे नेताओं में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आनंद माधव और खगड़िया से विधायक छत्रपति यादव सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। आनंद माधव और छत्रपति यादव को भी नोटिस जारी किया गया है। बिहार के सांसद तारिक अनवर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि राज्य इकाई ने कुछ नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए अनुशासनात्मक समिति से अनुरोध किया गया है।

निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर 5 जनवरी को - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन झंडु इमामी समूह के सौजन्य से दि. 5 जनवरी को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर किया जाएगा जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के बच्चों को स्वर्ण विन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक पिलाई जाएगी । विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ) जी एस तोमर ने स्वर्ण बिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन से बच्चों को दीर्घायु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है । आयुर्वेद में हज़ारों साल पहले कश्यप संहिता में इसका वर्णन मिलता है । स्वर्ण विन्दु पिलाने के आधा घण्टा पहले और आधा घण्टा बाद में कुछ भी खाने पीने को नहीं देना चाहिए ।

स्वर्णप्राशन में प्रयुक्त औषधि विन्दु में 24 कैरट सोने से बनी स्वर्ण भस्म, शहद एवं ब्राह्मी घृत निर्दिष्ट अनुपात में मिश्रित किया जाता है । जिसे मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक द्वारा दिया जाता है । स्वर्णप्राशन पुष्य नक्षत्र के दिन और अधिक प्रभावी होता है । पुष्य का अर्थ पोषण करने वाला होता है । भारतीय ज्योतिष शास्त्र में इस नक्षत्र को संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि का प्रतीक माना गया है । यह परम मंगलकारी एवं शुभ माना गया है । यह विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं इम्म्युनिटी बढ़ाने के लिये लाभदायक है । सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक विगत 3 वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाई जा रही है । इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडु इमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया । भीड़ भाड़ से बचने हेतु मोबाइल नम्बर 95592 67777 पर अपना निःशुल्क पंजीकरण कराएँ ।

बिहार के गोपालगंज पहुंचा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग, दर्शन के लिए उमड़े हजारों भक्त

पटना **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के महाबलीपुरम से शुरू हुई एक ऐतिहासिक यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव के करीब है। दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग बिहार के गोपालगंज पहुंच चुका है, जहाँ इसके दर्शन के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा है। 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंचे इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित 'विराट रामायण मंदिर' में स्थापित किया जाएगा।

इस अद्भुत शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे तमिलनाडु के महाबलीपुरम में एक ही विशाल 'ब्लैक ग्रेनाइट' पत्थर (मोनोलिथ) को काटकर बनाया गया है। इसे तराशने में कलाकारों को करीब 10 साल का समय लगा।

शिवलिंग की सतह पर 1008 छोटे सहस्त्रलिंगम भी उकेरे गए हैं, जो इसकी दिव्यता को और बढ़ाते हैं। इस भारी-भरकम शिवलिंग को 96 पहियों वाले एक विशेष ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से बिहार लाया गया है।

गोपालगंज पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने जयकारों के साथ शिवलिंग का स्वागत किया। स्थानीय निवासी सत्यम गोस्वामी ने खुशी जताते हुए कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग हमारे यहां आया है। सुबह से ही भक्त पूजा-अर्चना के लिए जुट रहे हैं।' वहीं कुंदन देवी नाम की श्रद्धालु ने बताया कि पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है और लोग दूर-दूर से इस विशाल शिवलिंग की एक झलक पाने आ रहे हैं। महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा बनवाए जा रहे इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है। मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर होंगे, जिनमें मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट होगी। 17 जनवरी को केसरिया के विराट रामायण मंदिर में विधि-विधान के साथ शिवलिंग की स्थापना की जाएगी। यह मंदिर न केवल धार्मिक रूप से बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी बिहार के लिए एक बड़ा केंद्र बनने जा रहा है।

चीन यात्रा से पहले द.कोरिया को झटका

उ.कोरिया ने समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल, सियोल-वॉशिंगटन व टोक्यो अलर्ट

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया ने रविवार सुबह समुद्र की दिशा में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि सुबह करीब 7:50 बजे उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के इलाके से इन मिसाइल प्रक्षेपणों का पता चला। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर दागी गईं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मिसाइलें कितनी दूरी तक गईं। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि निगरानी और सतर्कता व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है तथा अमेरिका और जापान के साथ लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण की पुष्टि की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की आगामी कांग्रेस से पहले हथियारों की ताकत दिखाने की रणनीति का हिस्सा है। माना जा रहा है कि पार्टी की सर्वोच्च बैठक से पहले उत्तर कोरिया रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करने के लिए ऐसे परीक्षणों में तेजी ला सकता है। पर्यवेक्षक इस बात पर भी नजर रखे हुए हैं कि क्या उत्तर कोरिया अमेरिका के प्रति कोई नई नीति घोषित करेगा और लंबे समय से ठप पड़ी कूटनीतिक वार्ताओं को फिर से शुरू करने को लेकर कोई संकेत देगा। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय हुआ है जब दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर वार्ता के लिए चीन रवाना होने वाले थे। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल दागने का भी दावा किया था।

मादुरो की गिरफ्तारी पर भड़का चीन

बोला- अमेरिका ने राष्ट्रपति को गैरकानूनी अगवा किया, तुरंत रिहा करो

बीजिंग **(एजेंसी)**। वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की अमेरिकी हिरासत पर चीन ने कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका से दोनों को तुरंत रिहा करने की मांग की है। चीन ने इस कार्रवाई को राष्ट्रपति का 'अपहरण' करार देते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के नेता को जबरन अपने देश ले जाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। चीनी विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में कहा कि वेनेजुएला संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीतिक बातचीत से होना चाहिए। चीन ने स्पष्ट किया कि वह अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है और इसे खतरनाक मिसाल मानता है। इस बीच, अमेरिका के भीतर भी विरोध तेज हो गया है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने मादुरो की गिरफ्तारी को 'एक्ट ऑफ वॉर' बताते हुए कहा कि यह कदम न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कानून, बल्कि अमेरिकी कानून का भी उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई दुनिया को और अस्थिर बना सकती है।गौरतलब है कि 2 जनवरी की रात अमेरिकी विशेष बलों ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस में सैन्य हमला कर राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया और बाद में उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया।

फिलहाल दोनों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है, जहां उन पर हथियारों और ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाने की तैयारी है।मादुरो की हिरासत के बाद सामने आई तस्वीरों ने भी विवाद को और गहरा कर दिया है। कुछ तस्वीरों में वे न्यूयॉर्क के स्टुअर्ट एयर नेशनल गार्ड बेस पर नजर आए, जबकि एक तस्वीर में आंखों पर काली पट्टी, हथकड़ी और हेडफोन लगाए हुए दिखे, जिसे खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर साझा किया।अमेरिका की इस कार्रवाई के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

मादुरो को गिरफ्तार करने बाद ट्रंप की धमकी 'सारी दुनिया के नेता सुन लें अमेरिका से पंगे का भुगतोगे बुरा अंजाम

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों और कानून को चुनौती देने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शेगा नहीं। ट्रंप ने धमकी द कहा कि सारी दुनिया के नेता सुन लें कि अमेरिका से किसी भी तरह की ज्यादती करने वालों का बुरा अंजाम होगा ।

शनिवार तड़के मादुरो की गिरफ्तारी और अमेरिका में अभियोग तय होने के बाद ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ वेनेजुएला तक सीमित संदेश नहीं है, बल्कि उन सभी देशों और नेताओं के लिए चेतावनी है जो अमेरिका के खिलाफ गतिविधियों में शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'कानून से ऊपर कोई नहीं है। अगर कोई नेता अपराध करता है, मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होता है या अमेरिका के हितों को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे परिणाम भुगतने होंगे चाहे वह कहीं भी हो।'

अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी और आतंकवाद से जुड़े गंभीर आरोप हैं और लंबे समय से उन्हें अमेरिकी अदालतों द्वारा वांछित किया जा रहा था। ट्रंप प्रशासन ने इसे 'कानून प्रवर्तन कार्रवाई' बताते हुए कहा कि यह किसी देश के खिलाफ युद्ध नहीं, बल्कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई है।हालांकि, इस कदम के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई देशों ने इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताया है, जबकि अमेरिका समर्थक वेनेजुएला विपक्ष ने इसे ऐतिहासिक कदम करार दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह चेतावनी वैश्विक राजनीति में अमेरिका की आक्रामक और स्पष्ट रणनीति को दर्शाती है, जिसका असर आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ सकता है।

अमेरिकी स्ट्राइक में वेनेजुएला सुरक्षा को झटका रूसी एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह तबाह

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी हमलों में वेनेजुएला को वायु रक्षा के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। हिगुएरोटे एयर बेस (काराकस से लगभग 75 किलोमीटर पूर्व, मिरांडा राज्य) पर तैनात रूसी निर्मित 9के317एम2 बुक-एम2ई मध्यम दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली पूरी तरह नष्ट हो गई। यह वेनेजुएला द्वारा खोया गया दूसरा बुक-एम2ई सिस्टम बताया जा रहा है। वीडियो फुटेज से स्पष्ट है कि बुक-एम2ई का लॉन्चर वाहन सीधे निशाने पर था। मिसाइलें लॉन्चर पर लोडेड थीं, लेकिन इसके बावजूद कोई जवाबी फायर नहीं हुआ। हमले में एक सैन्य विमान और एयर बेस का बुनियादी ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी हमलों की पहली ही लहर में वेनेजुएला के रडार और कमांड-कंट्रोल सिस्टम को दबा दिया गया था, जिससे एयर डिफेंस पूरी तरह निष्क्रिय हो गया। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना दर्शाती है कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला की एयर डिफेंस पहले से ही कमजोर थी। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के दावों के बीच अब देश की सुरक्षा क्षमता और अधिक प्रभावित हुई है। इस हमले को रूस के लिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उसके उन्नत माने जाने वाले हथियार वास्तविक युद्ध स्थिति में असफल साबित होते दिखे हैं।

कोविड फंड के नाम पर सैकड़ों मिलियन डॉलर का फ्राड

बच्चों के भोजन का पैसा लग्ज़री लाइफस्टाइल पर उड़ाया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका में सामने आए हमारे भविष्य को खिलाना कोविड-19 राहत घोटाले ने एक बार फिर सरकारी सहायता योजनाओं में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की पोल खोल दी है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सोमाली मूल के कुछ आरोपियों ने बच्चों के लिए भोजन कार्यक्रम चलाने का झूठा दावा कर सैकड़ों मिलियन डॉलर की संघीय कोविड राहत राशि हड़प ली।

जांच में सामने आया कि घोटाले से मिली रकम का इस्तेमाल गरीब बच्चों की मदद के बजाय लक्ज़री जीवनशैली पर किया गया । लिबान यासिन अलीशिरे ने केन्या के एक हाई-एंड रिसॉर्ट में लगभग 3.5 लाख डॉलर खर्च किए। अबदियाज़िज़ शफीई फराह ने नैरोबी में जिम और पार्किंग सुविधाओं वाला 10 लाख डॉलर का तीन मंज़िला लग्ज़री अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स खड़ा किया। एमी बॉक और उनके साथी

एम्प्रेस मैल्कम वॉटसन जूनियर ने लैंबोर्गिनी और रोल्स-रॉयस जैसी सुपरकारें 2, 000 डॉलर प्रतिदिन के किराये पर लीं, लास वेगास यात्राएं कीं और 6.8 लाख डॉलर के गहने खरीदे। अयान जमा ने तुर्की में 3.65 लाख डॉलर का मेडिटेरेनियन कॉन्डो खरीदा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, इस घोटाले में दोषी पाए गए लोगों को 28 साल तक की सज़ा और भारी भरकम रेस्टिट्यूशन (वसूली) का सामना करना पड़ सकता है। यह मामला मिनेसोटा में सामने आए करीब 9 अरब डॉलर के सोशल सर्विसेज़ घोटालों की कड़ी में सबसे बड़े मामलों में गिना जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)